जनाकांक्षाओं का सजग प्रहरी

चेतना मंच

लोक आस्था के चार दिवसीय पर्व छठ पूजा के पहले दिन नहाय-खाय की हार्दिक शुभकामनाएं

वर्ष : 26 अंक : 314 | website:www.chetnamanch.com | नोएडा, मंगलवार, 05 नवंबर, 2024 | Chetna Manch | Chetna Manch | मूल्य 2.00 रु. | पेज: 8

यूपी मदरसा एक्ट को 'सुप्रीम मंजूरी'

यूपी के मदरसों में पढ़ने वाले 17 लाख छात्रों को राहत, डिग्री देना असंवैधानिक

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने 'उत्तर प्रदेश मदरसा शिक्षा बोर्ड अधिनियम 2004' को लेकर बड़ा फैसला सुनाया है। सुप्रीम कोर्ट ने इस एक्ट की संवैधानिक वैधता बरकरार रखी है। कोर्ट ने इलाहाबाद उच्च न्यायालय के 22 मार्च के फैसले को उस खारिज कर दिया, जिसमें यूपी मदरसा अधिनियम को रद्द कर दिया गया था। इस फैसले से उत्तर प्रदेश के 16 हजार मदरसों में पढ़ने वाले 17 लाख छात्रों को राहत मिली है। कोर्ट ने कहा कि यूपी मदरसा अधिनियम केवल इस हद तक असंवैधानिक है कि यह फाजिल और कामिल के तहत उच्च शिक्षा की डिग्री प्रदान करता है, जो यूजीसी अधिनियम के विपरीत है।

उत्तर प्रदेश मदरसा कानून को असांविधानिक बताने वाले इलाहाबाद हाईकोर्ट के फैसले के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट मंगलवार को फैसला सुनाया। कोर्ट ने इस कानून को पूरी तरह से वैध करार दिया है।कोर्ट ने हाईकोर्ट के फैसले को खारिज करते हुए कानून को मान्यता दे दी है। इससे पहले मुख्य न्यायाधीश (सीजेआई) डीवाई चंद्रचूड़ की अध्यक्षता वाली पीठ ने 22 अक्तूबर को हाईकोर्ट के फैसले को चुनौती देने वाली याचिकाओं पर सुनवाई के बाद फैसला सुरक्षित रख लिया था।

'हर निजी संपत्ति सार्वजनिक संपत्ति नहीं'

निजी संपत्ति विवाद पर सुप्रीम फैसला

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने निजी संपत्ति विवाद में बड़ा फैसला सुनाया है। सुप्रीम कोर्ट के 9 जजों की बड़ी बेंच ने आज मंगलवार को अपने अहम फैसले में कहा कि सरकार सभी निजी संपत्तियों का इस्तेमाल नहीं कर सकती, जब तक कि सार्वजनिक हित ना जुड़ रहे हों।

सुप्रीम कोर्ट ने बहुमत के फैसले से कहा कि सभी निजी संपत्तियां संविधान के अनुच्छेद 39 (बी) के तहत 'समुदाय के भौतिक संसाधनों' का हिस्सा नहीं बन सकती हैं और राज्य के अधिकारियों की तरफ से 'सार्वजनिक भलाई' के लिए इसे अपने कब्जे में नहीं लिया जा सकता है। भारत के मुख्य न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़ की अगुवाई वाली नौ-न्यायाधीशों की संविधान पीठ ने 8-1 के बहुमत के साथ इस मुद्दे पर फैसला सुनाया।

सुप्रीम कोर्ट ने फैसला सुनाते हुए कहा, राज्य उन संसाधनों पर दावा कर सकता है जो सार्वजनिक हित के लिए हैं और समुदाय के पास हैं। उनका कहना है कि हर निजी संपत्ति को सार्वजनिक संपत्ति नहीं कहा जा सकता। संविधान पीठ ने इस साल 1 मई को सुनवाई के बाद निजी संपत्ति मामले में अपना फैसला सुरक्षित रख लिया था।

CJI चंद्रचूड़ की अध्यक्षता वाली पीठ ने बहुमत के फैसले में न्यायमूर्ति कृष्णा अय्यर के 1978 के फैसले को खारिज कर दिया, जिसमें कहा गया था कि निजी व्यक्तियों की सभी संपत्तियों को सरकार की तरफ से उन्नत समाजवादी आर्थिक विचारधारा की तरफ से सामुदायिक संपत्ति कहा जा सकता है, और इसलिए आज यह टिकाऊ नहीं है।

दिल्ली के हाथ से लगाम लेने की कोशिश : अखिलेश

डीजीपी नियुक्ति नियमावली में बदलाव पर बरसे सपा अध्यक्ष

लखनऊ (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश सरकार की कैबिनेट बैठक में डीजीपी की नियुक्ति पर भी कैबिनेट की मंजूरी मिली। इसके बाद यूपी में डीजीपी की नियुक्ति राज्य सरकार के स्तर से ही हो सकेगी। इस पर सपा मुखिया अखिलेश यादव ने सरकार पर तंज कसा है। कहा कि कहीं दिल्ली से अपने हाथ में लगाम लेने की कोशिश तो नहीं है।

कैबिनेट के फैसले पर सपा सुप्रीमो अखिलेश यादव ने एक्स पर एक पोस्ट करते हुए लिखा कि सुना है, किसी बड़े अधिकारी को स्थाई पद देने और उसका कार्यकाल दो वर्ष तक बढ़ाने की व्यवस्था बनाई जा रही है। अब सवाल यह है कि व्यवस्था बनाने वाले खुद दो वर्ष (शेष पृष्ठ-4 पर)

सूर्योपासना का पर्व छठ नहाय-खाय के साथ शुरू

नोएडा (चेतना मंच)। सूर्योपासना का चार दिवसीय महापर्व छठ आज से नहाय खाय के साथ शुरू हो जाएगा। महापर्व को लेकर घाटों पर बचे हुए काम मंगलवार तक पूरे हो जाएंगे।

नोएडा में जगह-जगह छठ पूजा की तैयारियां अंतिम चरण में है। प्रवासी महासंघ सहित सेक्टर-122 स्थित सिग्नेचर रेजीडेंसियल वेलफेयर एसोसिएशन व अन्य संगठनों ने भी छठ पूजा की व्यवस्था की है।

गाजियाबाद कोर्ट में कामकाज ठप्प, गेट को किया बंद

गाजियाबाद (चेतना मंच)। गाजियाबाद जिला कोर्ट में पिछले दिनों हुए हंगामे के बाद ग्रेटर नोएडा के वकील भी हड़ताल पर हैं। वहीं आज भी गाजियाबाद कोर्ट के मुख्य रास्ते के गेट को अधिवक्ताओं ने बंद कर रखा है। जिससे वहां आने वाले लोगों को परेशानियां हो रही हैं। अधिवक्ताओं द्वारा गेट बंद किए जाने के बाद गेट को कूदकर पार करने के दौरान एक युवक गिर गया।

वकीलों की मांग है कि गाजियाबाद के जिला जज को हटाया जाए। जब तक उनकी मांग पूरी नहीं होती वह कोर्ट में काम नहीं होने देंगे। गाजियाबाद बंद के समर्थन में जिला गौतमबुद्धनगर के अधिवक्ता भी हड़ताल पर हैं।

शोर मचाने से रोका तो हो गया बवाल

ग्रेटर नोएडा के मीनाक्षी अपार्टमेंट में भिड़े दो गुट

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। ग्रेटर नोएडा के कोतवाली बीटा-2 क्षेत्र के पाई-1 सेक्टर में स्थित मीनाक्षी अपार्टमेंट पाई-1 में शोर मचाने को लेकर हुए विवाद के बाद दो गुट आपस में भिड़ गए जिसके बाद जिसके बाद जमकर बवाल हुआ और दोनों गुटों की तरफ से एक दूसरे पर लाठी, डंडों और लात घूँसों बरसाए गए. सूचना मिलने पर मौके पर पहुंची पुलिस ने पीडित पक्ष की शिकायत पर घायलों का मेडिकल करवाने के बाद एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे वीडियो में (शेष पृष्ठ-4 पर)

कूड़े से भरा ट्रक पलटा, हादसा टला

नोएडा (चेतना मंच)। नोएडा के सेक्टर-61 मेट्रो स्टेशन से पहले सेक्टर-62 की तरफ जाने वाली सड़क पर मंगलवार सुबह कूड़े से भरा ट्रक पलट गया। इस वजह से सुबह व्यस्त समय में सेक्टर-71 चौराहे से सेक्टर-62 गोल चक्कर व नेशनल हाईवे की तरफ जाने वाला ट्रैफिक फंसने लगा। कुछ ही देर में यहां पर जाम लग गया। (शेष पृष्ठ-4 पर)

गाजियाबाद में प्रचार के लिए सपा जिलाध्यक्ष को सौंपी जिम्मेदारी

ग्रेटर नोएडा(चेतना मंच)। उत्तर प्रदेश की 9 सीटों पर हो रहे उप चुनाव में प्रचार- प्रसार को लेकर अपने मजबूत कार्यकर्ताओं को विधानसभावार जिम्मेदारी सौंप रही है। इसी क्रम में पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष श्यामलाल पाल ने जनपद गौतमबुद्ध नगर की जिला अध्यक्ष सुधीर भाटी को अपनी पूरी टीम सहित गाजियाबाद विधानसभा सीट पर चुनाव प्रचार प्रसार की जिम्मेदारी सौंपी है। प्रदेश अध्यक्ष ने एक पत्र जारी कर तत्काल गाजियाबाद सीट पर प्रचार करने के लिए जिला अध्यक्ष को निर्देशित किया है। गाजियाबाद पर समाजवादी पार्टी से सिंह राज जाटव चुनाव लड़ रहे है, गाजियाबाद विधानसभा सीट की सीमा जनपद गौतमबुद्धनगर से लगी है, इसलिए सपा प्रत्याशी के पक्ष में प्रचार की जिम्मेदारी जनपद गौतमबुद्धनगर के कार्यकर्ताओ पर होगी।

दिल्ली का शातिर बदमाश पुलिस की गोली से लंगड़ा

नोएडा में दो जगह हुई मुठभेड़

नोएडा (चेतना मंच)। नोएडा के दो थाना क्षेत्र में पुलिस और बदमाशों के बीच हुए मुठभेड़ में दो बदमाश पैर में गोली लगने से घायल हो गए, जबकि दो बदमाश मौके से फरार होने में सफल हो गए. पुलिस ने घायल बदमाशों को इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया है, फरार बदमाशों की तलाश की जा रही है।

मनीष कुमार मिश्रा, एडिशनल डीसीपी नोएडा ने बताया कि पुलिस और बदमाशों के बीच पहली मुठभेड़ थाना फेज-1 क्षेत्र में चिल्ला के पास गंदे नाले वाली सड़क पर हुई, जब पुलिस ने चेकिंग के दौरान बाइक सवार बदमाश को रोकने का प्रयास किया। अपने आप को घिरा देख बाइक सवार बदमाश ने पुलिस टीम पर फायर कर भागने का प्रयास किया। पुलिस की जवाबी कार्रवाई में पैर में गोली लगने से बदमाश घायल हो गया। पुलिस ने उसे गिरफ्तार कर इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया है। बदमाश की पहचान साजिद के रूप में हुई है. उसके कब्जे से चोरी की बाइक, तमंचा, कारतूस और तीन मोबाइल बरामद किए गए। साजिद एक शातिर किस्म का लुटेरा है, उस पर दिल्ली के थानों में 30 और नोएडा में 6 मुकदमे दर्ज हैं. इससे पहले भी 2020 में थाना सेक्टर 20 क्षेत्र में हुई मुठभेड़ में वह घायल अवस्था में गिरफ्तार किया जा चुका है। डीसीपी ने बताया कि दूसरी दूसरी मुठभेड़ थाना फेस-2 (शेष पृष्ठ-4 पर)

नशे का शिकंजा

निश्चित रूप से पंजाब नशे की गंभीर चुनौती से गुजर रहा है। जिसके खिलाफ व्यापक पैमाने पर योजनाबद्ध अभियान वक्त की जरूरत है। सरकारें लंबे समय से इसके विरुद्ध कार्रवाई की बात तो करती रही हैं, लेकिन जमीनी हकीकत में कम ही बदलाव नजर आया है। फिलहाल पंजाब में नशीले पदार्थों के खिलाफ जारी कार्रवाई नई प्रतिबद्धता को दर्शाती है। जाहिर बात है सीमा पार से शुरू किए गए छद्म युद्ध की कीमत पंजाब चुका रहा है, जिसने लंबे समय से पंजाब को जकड़ रखा है। पिछले दस महीनों में पंजाब पुलिस ने 153 बड़े ऑपरेटरों सहित 10,524 तस्करों को गिरफ्तार किया है। इसके अलावा भारी मात्रा में हेरोइन और अन्य नशीले पदार्थ बरामद किए हैं। सतही तौर पर ये आंकड़े एक सराहनीय कार्रवाई को दर्शाते हैं, लेकिन इसके बावजूद समस्या की विकटता को देखते हुए ये आंकड़े पर्याप्त नहीं हैं। वक्त की जरूरत है कि लगातार भयावह होती स्थिति में पुलिस को इस खेल की बड़ी मछलियों को बेनकाब करके नशे के प्रवाह पर रोक लगानी चाहिए। इसके बाद बड़े नशा तस्करों के खिलाफ व्यापक स्तर का अभियान चलाना चाहिए। जिससे समाज में यह संदेश जाए कि कोई कितना भी ताकतवर व्यक्ति क्यों न हो, कानून से ऊपर नहीं है। साथ ही यह भी कि समाज विरोधी कार्यों में लिप्त होने के गंभीर परिणाम हो सकते हैं। ऐसे तत्वों को राजनीतिक संरक्षण देने वाली ताकतों को भी बेनकाब करने की जरूरत है। हाल के दिनों में पंजाब ने स्थानीय तस्करों के साथ-साथ बड़े ड्रग नेटवर्क को लक्षित करने में महत्वपूर्ण सफलता हासिल की। जिसमें 790 किलोग्राम हेरोइन, 860 किलोग्राम अफीम और अन्य नशीले पदार्थों के साथ-साथ 13 करोड़ रुपये से अधिक ड्रग मनी जब्त की गई है। इन आपराधिक अभियानों की वित्तीय बुनियाद पर प्रहार करते हुए नशे के कारोबार से जुड़े लोगों की 208 करोड़ रुपये से अधिक की संपत्ति जब्त की गई। हालांकि, अभी पर्दे के पीछे से काम करने वाले प्रमुख तस्करों को बेनकाब करने और कानूनन दंडित करने की सख्त जरूरत है। संदेश जाना जरूरी है कि इस काले कारोबार से जुड़े लोगों की दंडमुक्ति संभव नहीं है। इसके अलावा सीमा पार से चलाए जा रहे नशे के कारोबार का खात्म करना बेहद आवश्यक है। नशे की तस्करी में तमाम आधुनिक साधनों का उपयोग किया जा रहा है। पाकिस्तान पोषित इस नशीले कारोबार की भयावहता का अंदाजा इस बात से लगाया जा सकता है कि इस साल सीमा सुरक्षा बल ने पंजाब की पाकिस्तान से लगती सीमा से 183 ड्रोन जब्त किए। जो वर्ष 2023 में बरामद 107 ड्रोन से कहीं अधिक हैं। पाक प्रायोजित यह तस्करी परिष्कृत तरीके से की जा रही है, जिसके खिलाफ सुनियोजित कार्रवाई जरूरी है। हालांकि, बीएसएफ ने पहल करते हुए एंटी-ड्रोन सिस्टम लगाए हैं। जिसके सार्थक परिणाम भी मिल रहे हैं। पंजाब में नशे की गंभीर चुनौती को देखते हुए सीमा सुरक्षा को फुलप्रूफ करने की दिशा में कदम उठाए जाने चाहिये। जिसमें उच्च तकनीक व विभिन्न एजेंसियों में बेहतर तालमेल की जरूरत है।

रामचरित मानस

कल के अंक में आपने पढ़ा था कि माँ! सुन, मैं तुझे सुनाती हूँ, मैंने ऐसा स्वप्न देखा है कि मुझे एक सुंदर गौरवर्ण श्रेष्ठ ब्राह्मण ने ऐसा उपदेश दिया है- ॥ उससे आगे का वर्णन क्रमानुसार प्रस्तुत है।

करहि जाइ तपु सैलकुमारी। नारद कहा सो सत्य बिचारी॥
मातु पितहि पुनि यह मत भावा। तपु सुखप्रद दुख दोष नसावा॥

हे पार्वती! नारदजी ने जो कहा है, उसे सत्य समझकर तू जाकर तप कर। फिर यह बात तेरे माता-पिता को भी अच्छी लगी है। तप सुख देने वाला और दुःख-दोष का नाश करने वाला है॥

तपबल रचइ प्रपंचु बिधाता। तपबल बिष्नु सकल जग त्राता॥
तपबल संभु करहिं संघारा। तपबल सेषु धरइ महिभारा॥

तप के बल से ही ब्रह्मा संसार को रचते हैं और तप के बल से ही बिष्णु सारे जगत का पालन करते हैं। तप के बल से ही शम्भु (रुद्र रूप से) जगत का संहार करते हैं और तप के बल से ही शेषजी पृथ्वी का भार धारण करते हैं॥

तप अधार सब सृष्टि भवानी। करहि जाइ तपु अस जियँ जानी॥
सुनत बचन बिसमित महतारी। सपन सुनायउ गिरिहि हँकारी॥

हे भवानी! सारी सृष्टि तप के ही आधार पर है। ऐसा जी में जानकर तू जाकर तप कर। यह बात सुनकर माता को बड़ा अचरज हुआ और उसने हिमवान को बुलाकर वह स्वप्न सुनाया॥

(क्रमशः..)

सामाजिक समरसता के लिए लगातार सक्रिय संघ

मौजूदा दौर में शासन की सबसे बेहतरीन व्यवस्था जिस संसदीय लोकतंत्र को माना गया है, उसकी एक कमजोरी है। वोट बैंक की बुनियाद पर ही उसका समूचा दर्शन टिका है, इसलिए समाज को बांटना और उसके जरिए भरपूर समर्थन जुटाना उसकी मजबूरी है। यही वजह है कि कभी वह जानबूझकर, तो कभी अनजाने में समाज को बांटने की कोशिश करती नजर आती है। राजनीति के इन संदर्भों पर जब गौर करते हैं तो उसके ठीक उलट वैचारिकी से आगे बढ़ता हुआ एक संगठन दिखता है। निश्चित तौर पर वह संगठन राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ है। शतकीय यात्रा की ओर बढ़ रहा संघ हिंदू समाज को एक रखने के ध्येय वाक्य से रंच मात्र भी पीछे नहीं हटा।

लेकिन राजनीति को जब भी मौका मिलता है, वह संघ को अपने दायरे में खींचने और उसको सवालों के कठघरे में खड़ा करने की कोशिश करने लगती है। राजनीति को संघ को सवालों के घेरे में लाने का मौका हाल ही में मथुरा में दिए सर कार्यवाह दत्तात्रेय होसबोले के बयान से मिला है। दत्तात्रेय होसबोले ने हिंदू समाज को एक रखने के संदर्भ में योगी आदित्यनाथ के बयान 'कटोगे तो बंटोगे' का समर्थन किया है। योगी आदित्यनाथ ने पहली बार यह विचार अगस्त महीने में लखनऊ में कल्याण सिंह की याद में आयोजित एक कार्यक्रम में जाहिर किया था। उन दिनों बांग्लादेश में शेख हसीना सरकार का तख्तापलट की घटना ताजा थी। उसके बाद वहां के अल्पसंख्यकों यानी हिंदुओं पर चौतरफा हमले और अत्याचार जारी थे। उसका हवाला देते हुए आदित्यनाथ ने हिंदू समाज को इस नारे के जरिए एक रहने का संदेश दिया था। चूंकि भारतीय राजनीति का एक बड़ा हिस्सा अब भी सेकुलरवाद के चश्मे से ही दुनिया को देखता है, लिहाजा उसके निशाने पर आदित्यनाथ का यह बयान आना ही था। आदित्यनाथ का यह बयान राजनीति की दुनिया के उनके विरोधियों को घोर सांप्रदायिक लगना ही था। और जब इस बयान का दत्तात्रेय होसबोले का भी साथ मिल गया तो सांप्रदायिकता के छद्म विचार के आवरण में राजनीति करने वाली ताकतों को मौका मिलना स्वाभाविक है।

संघ को संकुचित अर्थों में हिंदुत्व का समर्थक बताया जाता रहा है। ऐसा करते वक्त सावरकर के उस विचार को भुला दिया जाता है, जो यह बताता है कि भारत वर्ष में जो भी जन्मा है, वह हिंदू है। तीन देशों की सीमाओं में बंट चुके भारत में मौलिक रूप से कोई गैर हिंदू है ही नहीं। पाकिस्तान के पत्रकार वसीम अल्ताफ का ट्वीट दीपावली के दिन एक्स पर चर्चा में रहा। जिसमें उन्होंने लिखा था कि काश उनके भी पूर्वज कुछ और तनकर खड़े रहते तो उन्हें भी होली और दीपावली जैसे उत्साह वाले त्योहार

संघ को संकुचित अर्थों में हिंदुत्व का समर्थक बताया जाता रहा है। ऐसा करते वक्त सावरकर के उस विचार को भुला दिया जाता है, जो यह बताता है कि भारत वर्ष में जो भी जन्मा है, वह हिंदू है। तीन देशों की सीमाओं में बंट चुके भारत में मौलिक रूप से कोई गैर हिंदू है ही नहीं।

मनाने को मिलते। अपने इस ट्वीट के जरिए एक तरह से वे जाहिर कर रहे थे कि उनके पूर्वज भी हिंदू ही थे। संघ इसी विचार को मानता है, भारतीय यानी हिंदू। भारतीय समाज को कभी सांप्रदायिकता के आवरण में बांटा गया तो कभी जाति की संकीर्ण सोच के बहाने। संघ अपने जन्म से ही दोनों ही वैचारिकी का विरोध करता रहा है। इसके बावजूद उस पर कभी ब्राह्मणवादी होने तो कभी कुछ का आरोप लगता रहा है। किसी भी संगठन के किसी भी व्यक्ति के निजी तौर पर अपने विचार हो सकते हैं, उसकी सोच का असर उसके व्यक्तित्व पर पड़ सकता है। लेकिन वैचारिक रूप से संघ में ऊंच-नीच, भेदभाव की सोच नहीं रही है।

महात्मा गांधी ने भी संघ के 1934 के वर्धा के शिविर का दौरा किया था। संघ के उस शिविर में छूआछूत और ऊंचनीच का भाव न देखकर गांधी जी बहुत प्रभावित हुए थे। उन दिनों गांधी जी छूआछूत के खिलाफ अभियान चला रहे थे। उन्होंने तब माना था कि संघ के ऐसे प्रयास भारतीय समाज में बराबरी का भाव लाने में सफल हुए। राजनीति अक्सर महात्मा गांधी को लेकर संघ पर आरोप लगाती है कि वह महात्मा गांधी को नहीं मानता। संघ को सामाजिक रूप से बांटने को लेकर जब भी हमला किया जाता है, अक्सर गांधी विचार का ही सहारा लिया जाता है। हालांकि संघ ने कभी ऐसी कोई मंशा जाहिर नहीं की। उलटे गांधी संघ के समानता के विचारों से प्रभावित रहे। जिसकी तसदीक उनके द्वारा ही प्रकाशित हरिजन पत्रिका के 28 सितंबर 1947 के अंक में प्रकाशित एक रिपोर्ट करती है। इस रिपोर्ट के मुताबिक, गांधी जी ने दिल्ली में सफाईकर्मियों की बस्ती में हुए संघ के एक कार्यक्रम में 16 सितंबर 1947 को हिस्सा लिया था। इस रिपोर्ट में लिखा है,卐गांधी जी ने कहा कि वे कई साल पहले वर्धा में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के शिविर में गए थे, जब संस्थापक श्री हेडगेवार जीवित थे। स्वर्गीय श्री जमनालाल बजाज उन्हें शिविर में ले गए थे और वे (गांधी) उनके अनुशासन, अस्पृश्यता की पूर्ण अनुपस्थिति और कठोर सादगी से बहुत प्रभावित हुए थे।

पहले कर्नाटक और बाद में बिहार में हुई जाति जनगणना के बाद राजनीति का एक हिस्सा पूरे देश में जाति जनगणना कराने को लेकर अभियान छेड़े हुए है। भारत में पहली बार जाति जनगणना 1931 में हुई थी। अंग्रेजों ने इसका इस्तेमाल भारत में अपने राज बचाने की कोशिश के रूप किया था। शायद दूसरे विश्व युद्ध और स्वाधीनता आंदोलन की तेजी की वजह से 1941 में जनगणना नहीं हुई। आजादी के बाद 1951 की जनगणना की जब तैयारी चल रही थी तो राजनीति के एक हिस्से ने जाति जनगणना की मांग रखी थी। लेकिन जनगणना के प्रभारी मंत्री के नाते तत्कालीन स्वराष्ट्र मंत्री सरदार पटेल ने इस मांग को खारिज कर दिया था। पटेल का मानना था कि जाति जनगणना से सामाजिक तनाव बढ़ेगा और अंततः वह विखंडन को ही बढ़ावा देगा। कुछ ऐसी ही सोच संघ की भी है। हालांकि कुछ दिनों पहले संघ के प्रचार प्रमुख सुनील अंबेडकर ने जाति जनगणना का समर्थन किया था। जिससे माना गया था कि संघ भी जाति जनगणना के पक्ष में है। ऐसी सोच रखने वालों ने अंबेडकर के विचार के अगले हिस्से पर ध्यान नहीं दिया, जिसमें उन्होंने कहा था कि प्रशासनिक कार्यों के लिए ऐसे आंकड़े जुटाए जा सकते हैं, लेकिन उनका राजनीतिक दुरूपयोग नहीं होना चाहिए।

गांधी जी के बाद संघ शायद अकेला संगठन है, जिसके कार्यक्रम नियमित रूप से वंचित और मलिन बस्तियों में होते रहते हैं। समाज के हाशिए पर पड़े व्यक्तियों और समुदायों से बिना किसी भेदभाव के संघ लगातार संवाद करता रहता है। मलिन और वंचित बस्तियों में रोजगार और शिक्षा के साथ ही सफाई को लेकर संघ और उसके कार्यकर्ता आए दिन जुटे रहते हैं। संघ परिवार और समाज को हर मुमकिन मौके पर जोड़ने की कोशिश करता है। 'कटेंगे तो बंटेंगे' के विचार को उसका समर्थन दरअसल उसकी इसी चिरंतन सोच का विस्तार है। इसे समझने के लिए दत्तात्रेय होसबोले के उस बयान को एक बार फिर देखना चाहिए। होसबोले ने कहा है कि 'कटेंगे तो बंटेंगे' मुहावरा हिंदू समाज की एकता के बारे में इसी भावना को व्यक्त करने का एक और तरीका है। महत्वपूर्ण बात यह है कि हिंदुओं का एकजुट होना सभी के लिए फायदेमंद होगा। हिंदुओं की एकता संघ की आजीवन प्रतिज्ञा है। हिंदू एकता व्यापक मानवीय एकता के लिए है। जो देश के सर्वोत्तम हित में है। लगे हाथों होसबोले ने चेतावनी भी दी कि हिंदुओं को विभाजित करने की कोशिश में कई ताकतें जुटी हैं, जिनको हटाने के लिए संघ और समाज सामूहिक रूप से कड़ी मेहनत कर रहे हैं।

आखिर में नहीं भूलना चाहिए कि हिंदू एकता समाज और जन कल्याण का भी महत्वपूर्ण टूल है। अंतर सिर्फ इतना है कि राजनीति इस टूल को तोड़ने की कोशिश करती है और संघ इसे बचाने का।

-उमेश चतुर्वेदी
(लेखक वरिष्ठ पत्रकार एवं स्तम्भकार हैं)

निवेश-निजी खपत से बढ़ेगी अर्थ व्यवस्था

हाल ही में एक नवंबर को अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) के द्वारा प्रकाशित रिपोर्ट 'एशिया प्रशांत के लिए क्षेत्रीय आर्थिक अनुमान 2024' में कहा गया है कि भारत दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था बना हुआ है तथा निवेश और निजी खपत इसकी वृद्धि को गति दे रहे हैं। रिपोर्ट में भारत की विकास दर को पहले के 6.8 प्रतिशत से बढ़ाकर 7 प्रतिशत कर दिया है। गौरतलब है कि दिवाली के बाद एक नवंबर से शुरू हुए नए संवत 2081 में भारतीय अर्थव्यवस्था की मजबूती संबंधी शुभ संकेत उभरकर सामने आ रहे हैं। भारतीय रिजर्व बैंक के गवर्नर शक्तिकांत दास ने कहा है कि आर्थिक परिदृश्य सकारात्मक है। देश कृषि, उद्योग-कारोबार, बैंकिंग क्षेत्र और गैर बैंकिंग वित्तीय क्षेत्र प्रणाली के स्तर पर काफी मजबूत बना हुआ है। विकास और मुद्रास्फीति का संतुलन बेहतर है। उन्होंने यह भी कहा कि यद्यपि भू-राजनीतिक संकट, भू-आर्थिक बिखराव और किसी तरह की चरम मौसमी घटनाएं, जो बाहरी मांग को प्रभावित कर सकती हैं और ये भारत की वृद्धि के लिए एक तरह की बड़ी जोखिम होंगी, लेकिन भारत अपने मजबूत आर्थिक घटकों से उनके मुकाबले में सक्षम होगा। उम्मीद है कि चालू वित्त वर्ष 2024-25 में महंगाई में नरमी आएगी और वित्त वर्ष 2024-25 में भारत की अर्थव्यवस्था 7.2 फीसदी की रफ्तार से बढ़ेगी। यह भी उल्लेखनीय है कि इस समय ग्लोबल फंड का भारतीय बांड में किया जा रहा निवेश उभरते बाजारों में ऊंचाई पर रेखांकित हो रहा है। पिछले वर्ष 2023 में भारतीय बांड में जो विदेश निवेश 70627 करोड़ रुपए का था, वह इस वर्ष 2024 में करीब 88 प्रतिशत बढकर अक्टूबर तक 1.33 लाख करोड़ रुपए से अधिक हो गया है।

निश्चित रूप से नए संवत 2081 में भारत की विकास दर उभरते हुए देशों की तुलना में ऊंचाई पर होगी। नए संवत 2081 में स्थानीय और घरेलू बाजार की मजबूती अर्थव्यवस्था के लिए लाभप्रद होगी। पिछले 10 साल में देश जिस तेजी से आत्मनिर्भरता की नीति और वोकल फॉर लोकल के मंत्र के साथ आगे बढ़ा है, उससे हमारे स्थानीय और घरेलू बाजार मजबूत हुए हैं। इस समय वैश्विक अर्थव्यवस्था में चमकते हुए सितारे के रूप में रेखांकित हो रही भारतीय अर्थव्यवस्था के विकास में भारत के घरेलू बाजार की अहम भूमिका है। इस वर्ष दीपावली और इससे जुड़े त्योहारों पर देशभर के घरेलू और स्थानीय बाजारों में भारी मांग देखी गई है। चीनी उत्पादों की जगह घरेलू उत्पादों को प्रोत्साहन मिला है। दिवाली त्योहार के बाजारों में 4.25 लाख करोड़ रुपए के कारोबार का अनुमान है। उल्लेखनीय है कि डेलॉइट इंडिया की इंडियाज होम एंड हाउसहोल्ड मार्केट रिपोर्ट 2024 में कहा गया है कि भारत का घरेलू बाजार 10 फीसदी से अधिक की चक्रवृद्धि वार्षिक वृद्धि दर (सीएजीआर) से बढ़ रहा है और इस तेज गति से वर्ष 2030 तक भारत का घरेलू बाजार लगभग 237 अरब डॉलर की ऊंचाई पर पहुंच सकता है। निस्संदेह नए संवत 2081 में कृषि और ग्रामीण अर्थव्यवस्था को बढ़ावा मिलेगा। देश में कृषि उन्नयन, खेती में नवाचार को प्रोत्साहन देने, लागत को कम करते हुए उत्पादन के साथ ही किसानों की आय बढ़ाने का अभूतपूर्व अभियान आगे बढ़ता हुआ दिखाई दे सकेगा। इसमें कोई दोमत नहीं है कि सरकार को इस वर्ष जो बेहतर मानसून विरासत में मिला है, उससे ग्रामीण अर्थव्यवस्था रफ्तार से बढ़ रही है। बेहतर मानसून

से ग्रामीण इलाकों में खपत बढ़ रही है। नए संवत में देश के कोने-कोने में घरेलू बाजार को मेक इन इंडिया अभियान से मिल रही शक्ति बढ़ेगी। देश को इस सेक्टर में तेजी से आगे बढ़ाने और चीन से आयात किए जाने वाले दवाई, रसायन और अन्य कच्चे माल का विकल्प तैयार करने के लिए प्रोडक्शन लिंक्ड इनसेटिव (पीएलआई) स्कीम लागू करने के और अधिक अच्छे परिणाम मिल सकते हैं। इस समय जब दुनिया में वैश्विक संघर्षों से उथल-पुथल मची हुई है, तब भारत नए संवत 2081 में दुनिया के लिए उम्मीद की एक किरण के रूप में दिखाई दे रहा है।

जहां भारत गरीबी जैसी चुनौतियों को कम करते हुए हर क्षेत्र में तेजी से आगे बढ़ते हुए दिखाई देगा, वहीं दुनिया की मदद करते हुए दुनिया में आशा का संचार भी करेगा। यह स्पष्ट दिखाई दे रहा है कि वैश्विक संघर्ष की अनिश्चितता के बीच भी दुनिया का भारत पर असाधारण आर्थिक विश्वास बना हुआ है। दुनिया की नजरों में यह युग भारत का युग है। नए संवत 2081 में यह भी दिखाई दे सकेगा कि एक ओर भारत अपने भरपूर खाद्यान्न भंडारों से देश के लोगों की खाद्य सुरक्षा निश्चित कर रहा है, वहीं दूसरी ओर दुनिया की खाद्य सुरक्षा में मददगार बना हुआ है। कोविड-19 के चुनौतीपूर्ण समय से भारत में 80 करोड़ से अधिक कमजोर वर्ग के लोगों को प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना (पीएमजीकेएवाई) के तहत मुफ्त खाद्यान्न दिए जाने का बेमिसाल अभियान चलाया जा रहा है और इससे देश में अत्यधिक गरीबी में कमी आ रही है। हाल ही में विश्व बैंक ने गरीबी अवलोकन और विकास रिपोर्ट 2024 में बताया है कि भारत में अत्यधिक गरीबी में कमी आई है। इस समय वैश्विक आबादी के करीब 70 करोड़ लोग अत्यधिक गरीबी यानी 181 रुपए (करीब 2.15 डॉलर) प्रतिदिन से कम पर जीवनयापन कर रहे हैं। रिपोर्ट में कहा गया है कि भारत में अत्यधिक गरीबों की संख्या 2021 में 16.74 करोड़ थी, वह इस वर्ष 2024 में करीब 12.9 करोड़ रह गई है। नए संवत 2081 में देश में गरीबी में और कमी आने की संभावनाएं हैं। निश्चित रूप से वैश्विक खाद्यान्न संकट के बीच भारत की वैश्विक खाद्य सुरक्षा में मददगार देश की भूमिका बढ़ते हुए दिखाई दे सकती है।

हाल ही में संयुक्त राष्ट्र के वर्ल्ड फूड प्रोग्राम तथा कई देशों के अनुरोध पर भारत ने गैर बासमती चावल यानी सफेद चावल के निर्यात पर जुलाई 2023 से लगाई गई रोक को हटा लिया है। भारत के इस निर्णय से दुनिया के कोने-कोने में चावल आयातक देशों के करोड़ों चावल उपभोक्ताओं को राहत मिली है। जहां भारत दुनिया के 150 से अधिक देशों के लोगों की खाद्य जरूरतों के लिए खाद्य निर्यात करता है, वहीं दुनिया के 185 से अधिक देशों के करोड़ों लोगों के लिए सस्ती व गुणवत्तापूर्ण दवाइयों की आपूर्ति करने वाला विश्वसनीय देश भी है। इसमें कोई दो मत नहीं हैं कि नए संवत 2081 में पश्चिम एशिया में युद्ध के बढने पर शेयर बाजार में तेज गिरावट और महंगाई की चुनौतियों के बीच भी भारत अपने मजबूत आर्थिक घटकों और ऊंचाई पर स्थित 700 अरब डॉलर से अधिक के मजबूत विदेशी मुद्रा भंडार से किसी भी आर्थिक जोखिम का सरलतापूर्वक सामना करने में सक्षम होगा। हम उम्मीद करें कि नए संवत 2081 में भारतीय शेयर बाजार की राह कठिन नहीं होगी, कारपोरेट आय को बढ़ावा मिलेगा और शेयर बाजार को सर्वोच्च ऊंचाई पर पहुंचाने में घरेलू फंडों की अहम भूमिका होगी। हम उम्मीद करें कि नए संवत 2081 में सरकार के द्वारा कृषि सुधारों, मेक इन इंडिया, निर्यात बढ़ाने और ग्रामीण क्षेत्रों की आमदनी बढ़ाने के रणनीतिक प्रयासों से देश की अर्थव्यवस्था मजबूत होगी तथा देश का आम आदमी भी विकास की डगर पर आगे बढ़ेगा।

-डा. जयंती लाल भंडारी
विख्यात अर्थशास्त्री

राशिफल

कार्तिक शुक्ल : चतुर्थी | **(विक्रम संवत् 2081)**

मेष- (चू, चे, चो, ला, ली, लू, ले, लो, अ)
परिस्थितियां अनुकूल होने के तरफ जा रही हैं। स्वास्थ्य में सुधार होगा। प्रेम, संतान, व्यापार बहुत अच्छा होगा।

वृष- (ई, उ, ए, ओ, वा, वी, वू, वे , वो)
महत्वपूर्ण कार्य दोपहर से पहले निपटा लें। थोड़ी परिस्थितियां प्रतिकूल होने जा रहे हैं। प्रेम, संतान अच्छा रहेगा।

मिथुन- (का, की, कु, घ, ड , छ, के, हो, हा)
जीवन आनंदित रहेगा। स्वास्थ्य में सुधार, प्रेम, संतान का साथ। व्यापार बहुत अच्छा।

कर्क- (ही, हू, हे, हो, डा, डी, डू, डे, डा)
शत्रु भी मित्रवत व्यवहार करने लगेंगे। स्वास्थ्य नरम गरम, प्रेम, संतान पहले से बेहतर, व्यापार अच्छा है।

सिंह- (मा, मी, मु, मे, मो, टा, टी, टु, टे)
भावनाओं में भाकर कोई निर्णय मत लीजिएगा प्रेम में तू तू मैं मैं से बचें और बच्चों की सेहत पर ध्यान दें।

कन्या- (टो, पा, पी, पू, ष, ण, ठ, पे, पो)
भूमि, भवन, वाहन की खरीदारी संभव है। लेकिन गृह कलह भी संभव है। स्वास्थ्य अच्छा है, प्रेम, संतान अच्छा है।

तुला- (रा, री, रु, रे, रो, ता, ती, तू, त)
व्यापारिक स्थिति सुदृढ़ होगी। अपनों का साथ होगा। एक बहुत ही सॉफ्ट एनर्जी, सकारात्मक ऊर्जा का संचार होगा आपके अंदर।

वृश्चिक- (तो, ना, नी, नु, ने, नो, या, यी, यू)
इस दिन निवेश वर्जित रहेगा आपके लिए। स्वास्थ्य अच्छा, प्रेम, संतान की स्थिति अच्छी, व्यापार अच्छा।

धनु- (ये, यो, भा, भी, भू, धा, फा, ढा, भे)
ऊर्जापूंज्य बन जाएंगे लेकिन खर्च की अधिकता रहेगी। जरूरत के हिसाब से वस्तुएं जीवन में उपलब्ध होंगी।

मकर- (भो,जा,जी,जू,जे,जो,खा,खी,खू,खे,गा,गी)
चिंताकारी सृष्टि का सृजन होगा। मन परेशान रहेगा। स्वास्थ्य भी थोड़ा मध्यम रहेगा। लेकिन प्रेम, संतान व्यापार अच्छा रहेगा।

कुम्भ- (गू, गे, गो, सा, सी, सु, से, षो, द)
व्यापारिक स्थिति सुदृढ़ होगी। कोर्ट कचहरी में विजय मिलेगी। स्वास्थ्य ठीक-ठाक, प्रेम, संतान अच्छा। व्यापार अच्छा।

मीन- (दी, दु, झ, ध, दे, दो, च, चा, चि)
स्वास्थ्य ठीक-ठाक। प्रेम संतान की स्थिति अच्छी। व्यापार भी अच्छा। एक अच्छी स्थिति कही जाएगी।

जेवर के विकास में किसानों का बड़ा योगदान : सिंह

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। जनपद गौतमबुद्धनगर के विकास में जेवर के किसानों का बहुत बड़ा योगदान है। मेरा प्रयास होगा कि सरकार और किसानों के बीच, उन्हें मिलने वाले हकों के लिए प्रयास करूंगा।

यह बात जेवर के विधायक धीरेन्द्र सिंह ने जेवर में बन रहे नोएडा अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट के प्रथम और द्वितीय चरण के प्रभावित ग्रामों के किसानों के मध्य रबूपुरा स्थित पंडित देवी शरण फार्म हाउस में आयोजित एक बैठक में कहे।

इस बैठक में ग्राम रन्हेरा, कुरैव और नगला जहानु के श्री हरि सिंह बाबा, दिनेश गौड, संजीव गौड़, रवि शर्मा, ठाकुर महेश सिंह, कुलदीप सिंह, सुभाष सिंह, धर्मवीर सिंह, सुमित सिंह, बंटी सिंह, अजीत सिंह, वीरपाल सिंह, राकेश तायल, चंचल गर्ग, देवू शर्मा, सूरजपाल शर्मा, पवन कुमार, अमर कुमार, हरकेश मास्टर, निर्दोश सिंह, एदल सिंह, विजेन्द्र सिंह, सपीक खांन आदि सैकड़ों की तादात में किसान मौजूद रहे।

उपरोक्त ग्रामों के किसानों ने मुख्य रूप से परिसंपत्तियों के मूल्यांकन और मिलने वाली एकमुश्त धनराशि पर जेवर विधायक धीरेन्द्र सिंह से मदद किए जाने की अपील की।

इस मौके पर जेवर विधायक धीरेन्द्र सिंह ने आगे कहा कि हर हाथ को रोजगार और हर घर में खुशहाली एवं क्षेत्र की तरक्की मेरा मकसद है। जिस प्यार से आपने मुझे इस क्षेत्र का विधायक बनाया, मैं भी आपकी भावनाओं का सम्मान रखते हुए, आपके हकों को सरकार तक पहुंचाने का काम करूंगा।

भाकियू (अजगर) के संगठन का हुआ विस्तार

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। भारतीय किसान यूनियन (अजगर) के संगठन का विस्तार किया गया। प्रदेश अध्यक्ष पंडित सचिन शर्मा ने विकास विधूड़ी को जिला अध्यक्ष गाजियाबाद और युवा के राष्ट्रीय अध्यक्ष बिन्नू आधाना व युवा प्रदेश अध्यक्ष कपिल नगर द्वारा कुलदीप नगर जी को गौतम बुध नगर का युवा जिला अध्यक्ष की जिम्मेदारी सौंपी।

गाजियाबाद वेव सिटी से गौतमबुधनगर के गांव कचैड़ा वर्षाबाद तक सैकड़ों गाड़ियों के काफिले के साथ क्रिकेट टूर्नामेंट में पहुंचे प्रदेश अध्यक्ष पं. सचिन शर्मा। इस मौके पर ग्रामवासियों ने भारतीय किसान यूनियन (अजगर) के सभी पदाधिकारी का फूल मालाओं से आतिशबाजी ढोल नगाड़ों के साथ जोरदार स्वागत किया इस मौके पर प्रदेश अध्यक्ष पंडित सचिन शर्मा ने सभी ग्राम वासियों का धन्यवाद किया।

इस मौके पर (प्रदेश अध्यक्ष) पं. सचिन शर्मा ने कहा कि गांव-देहात के बच्चों को भविष्य के क्रिकेटर के तौर पर तैयार करने के लिए आयोजक को धन्यवाद दिया। साथ ही खिलाड़ियों को संबोधित करते हुए कहा कि क्षेत्र में खेलों को प्रोत्साहन देने के लिए हरसंभव कोशिश की जाएगी।

इस मौके पर युवा राष्ट्रीय अध्यक्ष बिन्नू आधाना राष्ट्रीय महासचिव प्रवीण शर्मा नीटू राष्ट्रीय महासचिव शर्मा यादव रमेश चंद दीवान बाबूराम फौजी युवा प्रदेश अध्यक्ष कपिल नगर प्रदेश संगठन मंत्री राजेश नगर प्रदेश सचिव नितिन पंडित गाजियाबाद जिला अध्यक्ष विकास बिधूड़ी गाजियाबाद युवा जिला अध्यक्ष राहुल यादव राष्ट्रीय सचिव युवा विपुल चौधरी युवा प्रदेश सचिव सौरभ चंदीला किसान नेता विकास धामा सनी सिंगर धर्मपाल फौजी आदि पदाधिकारी मौजूद रहे जिसमें गांव के बुजुर्ग लोग धर्मपाल मास्टर भुमेरा प्रधान चाहत राम सिंह अजय पाल नेताजी मास्टर मामचंद सुग्रीव नागर महेंद्र पहलवान अशोक नागर राज नागर आशु पंडित अशोक नागर विनीत नागर राहुल गुप्ता उदय पाल सिंह हरेंद्र प्रधान सोनू मावी तेज सिंह पंडित दीपक नागर सुभाष नेता जी नरेंद्र नागर चमन सिंह नागर मास्टर मुकेश शर्मा जगमाल सिंह कृष्णपाल मास्टर आदि गांव के लोग मौजूद रहे।

पूर्वोत्तर रेलवे

ई-टेंडर, निविदा सूचना संख्या एनईआर_ एसएण्डटी_प्रोजेक्ट_गोरखपुर_04_2024

उप सिगनल एवं दूरसंचार इंजीनियर/ प्रोजेक्ट/पूर्वोत्तर रेलवे गोरखपुर कृते एवं भारत के राष्ट्रपति की ओर से ई-टेन्डर के माध्यम से निम्नलिखित कार्यों के लिए टेन्डर प्रपत्र में अंकित निर्धारित योग्यता का पर्याप्त अनुभव रखने वाले ठेकेदारों से निविदाएं आमंत्रित करते हैं- **निविदा सूचना सं. एवं कार्य का विवरणः एनईआर_ एसएण्डटी_प्रोजेक्ट_गोरखपुर_04_2024, कार्य का नामः** "पूर्वोत्तर रेलवे के लखनऊ मंडल के सीतापुर सिटी (EX) - बुढ़वल, बुढ़वल जंक्शन - गोरखपुर कैंट, मानकनगर (EX) - लखनऊ जंक्शन - मल्हौर (EX) और बाराबंकी (EX) - बुढ़वल अनुभागों और वाराणसी मंडल के गोरखपुर कैंट-गोल्डनगंज (EX) अनुभाग" पर टावरों की आपूर्ति, फाउंडेशन, फैब्रिकेशन, इरेक्शन और कमीशनिंग और अन्य संबद्ध कार्य (558RKM)। **अनुमानित लागत (₹):** ₹ 42,16,38,503.96, **बयाना राशि (₹):** ₹22,58,200.00, **स्वीकृति पत्र प्राप्त होने की तिथि से कार्य पूर्ण करने की अवधिः** 12 माह, **निविदा बंद होने की तिथि एवं समयः** दिनांक 18 दिसम्बर 2024 को 15.00 बजे, **प्री बिड कॉनफेरेंन्सः** 21 नवम्बर 2024 को 11.00 बजे, **नोटः 1.** बयाना राशि एवं ऑफर की वैधता निविदा बंद होने की तिथि से 90 दिन होना चाहिए। **2.** वेबसाइट **http://www.ireps.gov.in** पर विस्तृत निविदा सूचना, योग्यता मापदंड, नियम एवं शर्तें देखी जा सकती है। **3.** बोली सुरक्षा राशि या तो ई-भुगतान गेटवे के माध्यम से नकद में जमा की जाएगी या भारत के एक अनुसूचित वाणिज्यिक बैंक से बैंक गारंटी बांड के रूप में प्रस्तुत की जाएगी या निविदा दस्तावेजों में उल्लिखित अनुसार होगी। बैंक गारंटी बांड Annexure-1.1 (निविदा दस्तावेज) के अनुसार होगा और बोली की वैधता अवधि के समाप्त होने के 90 दिनों से परे की अवधि के लिए मान्य होगा।

उप मुसिदूइं/प्रोजेक्ट/ गोरखपुर

मुजाधि/सिगनल-62

"ट्रेनों में ज्वलनशील पदार्थ लेकर यात्रा न करें"

सेक्टर-122 में छठ पूजा शुरू व्यवस्था चाक-चौबंद : सुमन

नोएडा (चेतना मंच)। नोएडा शहर में छठ पूजा को लेकर लोगों में काफी उत्साह देखा जा रहा है। आज से छठ पूजा करने वाले श्रद्धालुओं ने नहाए खाए के साथ पूजा शुरू कर दिया है। कल छठ पूजा करने वाले श्रद्धालुओं ने पूजा सामग्री की बाजार में जमकर खरीदारी की। सेक्टर-122 सिग्नेचर रेजिडेंस वेलफेयर एसोसिएशन ने छठ पूजा की तैयारी पूरी की। सेक्टर-122 में छठ भारतीयों के लिए घाट की व्यवस्था की गई है जहां छठ पर्व का व्रत करने वाले लोग पूजा करेंगे। सिग्नेचर रेजिडेंट्स वेलफेयर एसोसिएशन के अध्यक्ष शैलेंद्र कुमार सुमन ने बताया कि छठ पर्व करने वाले श्रद्धालुओं के लिए विशेष व्यवस्था की गई है उन्होंने कहा कि रेजिडेंट्स वेलफेयर एसोसिएशन के पदाधिकारी पूजा को सकुशल संपन्न करने के लिए मेहनत कर रहे हैं।

पूजा कार्यक्रम में शामिल लोगों में मुख्य रूप से आरडब्ल्यूए के संरक्षक उदय सिंह, छोटे लाल शर्मा, सचिन, राम विलास, श्याम साहू, जे.पी. सिंह, संजीत कुमार, हिमांशु शेखर, मुन्ना लाल शर्मा, चन्द्रेश कुमार, शांति देवी, राजेश पाण्डेय, मुन्नाराय, संतोष सिंह, राकेश ठाकुर पवन प्रताप सिंह, राजीव सिंह, माला सिंह, अशोक शर्मा, विमल मिश्रा, मनोज गुप्ता, शिव कुमार यादव, इन्दु बहादुर सिंह, अखिलेश पाठक, चुजन कुमार, ऋषि मिभा, ममता यादव, मन्टू शाहू, राकेश ठाकुर आदि मुख्य रहे।

Name Change

I Jyotsana Pahuja .W/o Shri Priyanshu pahuja R/o L-23, Gulshan Vivante, Sec-37, Noida Distt G.B Nagar, (U.P) 201303 my above Name is true and correct. my correct Name is Jyotsana pahuja my incorrect Name is Jyotsana in (My Passport. P9215957) that is the my correct Name is Jyotsana pahuja, jyotsana pahuja and Jyotsana are the Same person all Names Mentioned are true & correct.

सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि मैं मनोज शर्मा पुत्र श्री हरिकिशन शर्मा निवासी- ग्राम गढ़ीनौआबादा तहसील- बुढाना जिला- मुजफ्फरनगर (उत्तर प्रदेश) हाल निवास, बी-73 गली नंबर -10 गगन विहार,बदरपुर दक्षिणी दिल्ली । मेरे सारे कागजातों में मेरा नाम मनोज शर्मा पुत्र हरिकिशन शर्मा अंकित है। जबकि मेरे (Lic policy Number -252993646) मैं भूलवश मेरा और मेरे पिता का नाम गलत अंकित हो गया है मेरा नाम मनोज शर्मा की जगह मनोज कुमार धीमान और मेरे पिता का नाम हरिकिशन शर्मा की जगह हरिकिशन धीमान अंकित है। जो गलत है जिससे सुधार कर मनोज कुमार धीमान की जगह मनोज शर्मा पुत्र हरिकिशन शर्मा किया जाए और भविष्य में मुझे सारे कामों के लिए मनोज शर्मा पुत्र हरिकिशन शर्मा के नाम से जाना जाए।

दैनिक चेतना मंच

भगवान हनुमान बजरंग बली के अवतार श्री बालाजी (मेंहदीपुर) के संरक्षण में संचालित किया जाता है। समाचार-पत्र का यह अंक भी उन्हीं के चरणों में समर्पित है।

डाक पंजी. सं. L-10/GBD-574/99

RNI No. 69950/98

स्वामी मुद्रक प्रकाशक रामपाल सिंह रघुवंशी ने बीएफएल इन्फोटेक लि. सी-9, सेक्टर-3, नोएडा, गौतमबुद्धनगर (यू पी.) से छपवाकर, ए-131 सेक्टर-83, नोएडा से प्रकाशित किया।

संपादक-रामपाल सिंह रघुवंशी

Contact: 0120-2518100, 4576372, 2518200
Mo.: 9811735566, 8750322340

E-mail:
chetnamanch.pr@gmail.com
raghuvanshirampal365@gmail.com
raghuvanshi_rampal@yahoo.co.in
www.chetnamanch.com

बाइक सवार बदमाशों ने की प्रिंसिपल की हत्या

मुरादाबाद। उत्तर प्रदेश के मुरादाबाद जिले में मंगलवार को प्रिंसिपल की गोली मारकर हत्या कर दी। हत्या के बाद बाइक सवार बदमाश फरार हो गए। हालांकि बदमाश सीसीटीवी में कैद हो गए। पुलिस आरोपियों की तलाश में जुटी है। जानकारी के अनुसार, मुरादाबाद के मझोला में स्कूल प्रिंसिपल की गोली मारकर हत्या कर दी गई। घटना के वक्त प्रिंसिपल शबाबुल पैदल ही स्कूल जा रहे थे। इसी दौरान पीछे से बाइक पर दो बदमाश आए और सिर में गोली मार दी। वारदात के बाद बदमाश फरार हो गए। आज मंगलवार सुबह नौ बजे हुई है। आसपास के लोग उन्हें अस्पताल लेकर पहुंचे, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। घटना मझोला थाने के लकड़ी क्षेत्र की है। वारदात के बाद बदमाश फरार हो गए। जानकारी के अनुसार, प्रिंसिपल शबाबुल भाजपा के महानगर मंत्री शम्मी भटनागर के स्कूल में पढ़ाते थे।

पूर्व दिशा की ओर जाने वाली त्यौहार विशेष रेलगाड़ियाँ-2024

छठ पूजा त्यौहार के दौरान रेलयात्रियों के सुविधाजनक आवागमन हेतु उत्तर रेलवे द्वारा अन्य क्षेत्रीय रेलों के सहयोग से दिनांक 05.11.2024 से 07.11.2024 तक पूर्व दिशा की ओर निम्नलिखित त्यौहार विशेष रेलगाड़ियाँ चलाई जायेंगी, जिनका विवरण निम्नानुसार है:-

विशेष गाड़ी सं.	स्टेशन से	प्रस्थान समय	स्टेशन तक	आगमन समय	स्थान	ठहराव
दिनांक 05.11.2024 (मंगलवार) को पूर्व दिशा की ओर प्रस्थान करने वाली रेलगाड़ियों की सूची						
04032	आनन्द विहार (टर्मि.)	05:15	सहरसा जं.	10:30	3 टियर वाता.	गाजियाबाद, मुरादाबाद, बरेली, शाहजहाँपुर, सीतापुर, गोंडा, बस्ती, गोरखपुर, कप्तानगंज जं., बगहा, नरकटियागंज जं., रक्सौल जं., बैरगनिया, सीतामढी, जनकपुर रोड, दरभंगा जं., सकरी जं., झंझारपुर, निर्मली, सरायगढ़, सुपौल और गढ़ बरुआरी
04060	आनन्द विहार (टर्मि.)	10:30	जयनगर	15:15	3 टियर वाता. शयनयान एवं सामान्य	मुरादाबाद, बरेली, शाहजहाँपुर, लखनऊ, रायबरेली जं., अमेठी, माँ बेल्हा देवी धाम प्रतापगढ़, वाराणसी, पं.दीन दयाल उपाध्याय जं., बक्सर, आरा, दानापुर, पाटलिपुत्र, हाजीपुर जंक्शन, मुजफ्फरपुर जंक्शन, समस्तीपुर जंक्शन, दरभंगा जंक्शन एवं मधुबनी
04044	आनन्द विहार (टर्मि.)	23:15	गोरखपुर जं.	14:00	2 टियर वाता., 3 टियर वाता., शयनयान एवं सामान्य	गाजियाबाद, मुरादाबाद, चन्दौसी जं., बरेली कैंट, सीतापुर, गोंडा जं. एवं बस्ती
04010	आनन्द विहार (टर्मि.)	23:45	जोगबनी	05:20	2 टियर वाता., 3 टियर वाता., शयनयान एवं सामान्य	गाजियाबाद, मुरादाबाद, चन्दौसी, बरेली कैंट, शाहजहाँपुर, सीतापुर, गोंडा, बस्ती, गोरखपुर जं., देवरिया सदर, सीवान जं., छपरा, सोनपुर जं., हाजीपुर जं., भाहपुर पटोरी, बरौनी जं., बेगूसराय, खगड़िया जं., नवगछिया, कटिहार जं., पूर्णियाँ जं., अररिया कोर्ट, अररिया एवं फारबिसगंज
04048	आनन्द विहार (टर्मि.)	15:20	कटिहार जं.	15:00	प्रथम वाता., 2 टियर वाता., 3 टियर वाता. शयनयान एवं सामान्य	गोविंदपुरी, प्रयागराज जं., पं.दीन दयाल उपाध्याय जं., बक्सर, आरा, पाटलिपुत्र, हाजीपुर जं., बरौनी जं., बेगुसराय, खगड़िया जं. एवं मानसी जं.
03436	आनन्द विहार (टर्मि.)	15:45	मालदा टाउन	23:30	2 टियर वाता., 3 टियर वाता., शयनयान एवं सामान्य	गोविंदपुरी, प्रयागराज जं., पं.दीन दयाल उपाध्याय जं., बक्सर, आरा, पटना, बख्तियारपुर जं., मोकामा जं., किऊल जं., अभयपुर, जमालपुर जं., सुलतानगंज, भागलपुर, कहलगाँव, पीरपैंती, साहिबगंज जं., बड़हरवा जं. एवं न्यू फरक्का जं.
05220	आनन्द विहार (टर्मि.)	08:00	मुजफ्फरपुर	00:45	शयनयान एवं सामान्य	गोविंदपुरी, प्रयागराज जं., पं. दीन दयाल उपाध्याय जं., बक्सर, आरा, दानापुर, पाटलिपुत्र सोनपुर जं. एवं हाजीपुर जं.
02398	आनन्द विहार (टर्मि.)	08:20	गया	00:30	2 टियर वाता., 3 टियर वाता., शयनयान एवं सामान्य	गोविंदपुरी, प्रयागराज, पं. दीन दयाल उपाध्याय, भभुआ रोड, सासाराम, डेहरी ऑन सोन और अनुग्रह नारायण रोड
05284	आनन्द विहार (टर्मि.)	07:00	मुजफ्फरपुर	04:50	2 टियर वाता., शयनयान एवं सामान्य	मुरादाबाद, शाहजहाँपुर, हरदोई, लखनऊ, गोंडा जं., बस्ती, गोरखपुर जं., बगहा, हरिनगर, नरकटियागंज जंक्शन, बेतिया, सगौली जंक्शन, बापूधाम मोतिहारी, पिपरा, चकिया, मेहसी और मोतीपुर
04070	नई दिल्ली	00:20	राजगीर	21:00	प्रथम वाता., 2 टियर वाता. एवं 3 टियर वाता.	गोविंदपुरी, प्रयागराज, पं. दीन दयाल उपाध्याय जं., बक्सर, आरा, पटना जं., बख्तियारपुर जं. और बिहार शरीफ
04036	नई दिल्ली	12:00	भागलपुर	10:00	3 टियर वाता. इकोनॉमी	कानपुर सेंट्रल, प्रयागराज जं., पं. दीन दयाल उपाध्याय जं., बक्सर, आरा, दानापुर, पटना जं., किऊल जं., अभयपुर, जमालपुर जं. एवं सुलतानगंज
04054	नई दिल्ली	14:20	बरौनी जं.	11:00	प्रथम वाता., 2 टियर वाता. शयनयान, सामान्य	गोविंदपुरी, प्रयागराज जंक्शन, पं. दीन दयाल उपाध्याय जंक्शन, बक्सर, आरा, पटना जं. एवं मोकामा
02248	नई दिल्ली	08:25	पटना जं.	20:30	वाता. कुर्सीयान, एग्जीक्यूटिव कुर्सीयान	कानपुर सेंट्रल, प्रयागराज जंक्शन, पंडित दीन दयाल उपाध्याय जंक्शन, बक्सर और आरा
05112	नई दिल्ली	12:50	छपरा	10:03	3 टियर वाता. शयनयान एवं सामान्य	मुरादाबाद, बरेली, सीतापुर, बुढ़वल, गोंडा, बस्ती, खलीलाबाद, गोरखपुर जं., पिपराइच, कप्तानगंज जं., पडरौना, तमकुही रोड, थावे जं., दिघवा दुबौली एवं म [illegible] रख
02564	नई दिल्ली	17:55	बरौनी जं.	15:10	3 टियर वाता., 3 टियर वाता. इकोनॉमी एवं शयनयान	कानपुर सेंट्रल, ऐशबाग, बस्ती, गोरखपुर जं., देवरिया सदर, सीवान जं., छपरा एवं मुजफ्फरपुर जं.
02570	नई दिल्ली	12:15	दरभंगा	10:00	3 टियर वाता., 3 टियर वाता. इकोनॉमी एवं शयनयान	कानपुर सेंट्रल, ऐशबाग, बस्ती, गोरखपुर जं., देवरिया सदर, सिवान जं., छपरा, मुजफ्फरपुर जं. एवं समस्तीपुर जं.
02394	नई दिल्ली	13:20	पटना जं.	07:00	प्रथम वाता., 2 टियर वाता., 3 टियर वाता., 3 टियर वाता. इकोनॉमी, शयनयान, सामान्य	गोविंदपुरी, प्रयागराज, पं. दीन दयाल उपाध्याय, बक्सर, आरा और दानापुर
04072	नई दिल्ली	05:00	पटना जं.	22:30	3 टियर वाता. इकोनॉमी	साहिबाबाद, कानपुर सेंट्रल, प्रयागराज जं., पं० दीन दयाल उपाध्याय जं., बक्सर, आरा एवं दानापुर
04068	दिल्ली जं.	19:30	दरभंगा	16:30	2 टियर वाता., 3 टियर वाता. शयनयान एवं सामान्य	मुरादाबाद, बरेली, लखनऊ, गोंडा जं., बस्ती, गोरखपुर जं., नरकटियागंज जं., रक्सौल जंक्शन, बैरगनिया, सीतामढी और जनकपुर रोड
04006	दिल्ली जं.	23:05	जयनगर	23:45	प्रथम वाता., 2 टियर वाता., 3 टियर वाता. शयनयान एवं सामान्य	गाजियाबाद, मुरादाबाद, बरेली, लखनऊ, गोंडा जं., बस्ती, गोरखपुर जं., छपरा, हाजीपुर जं., मुजफ्फरपुर जं., समस्तीपुर जं., दरभंगा जं. एवं मधुबनी
04034	दिल्ली जं.	23:45	जयनगर	23:00	3 टियर वाता.	कानपुर सेंट्रल, प्रयागराज जं., पं. दीन दयाल उपाध्याय जं., बक्सर, आरा, पटना जं., मोकामा जं., बरौनी जं., समस्तीपुर जं., दरभंगा जं. और मधुबनी
दिनांक 06.11.2024 (बुधवार) को पूर्व दिशा की ओर प्रस्थान करने वाली रेलगाड़ियों की सूची						
04022	आनन्द विहार (टर्मि.)	11:40	सीतामढ़ी जं.	15:45	3 टियर वाता.	गाजियाबाद, मुरादाबाद, बरेली, शाहजहाँपुर, लखनऊ, राय बरेली जं., माँ बेल्हा देवी धाम प्रतापगढ जं., वाराणसी जं., औंड़िहार जं., गाजीपुर सिटी, बलिया, सुरेमनपुर, छपरा, सोनपुर जं., हाजीपुर जं. एवं मुजफ्फरपुर जं.,
04096	आनन्द विहार (टर्मि.)	09:00	अयोध्या कैंट	22:00	प्रथम वाता.+2 टियर वाता., 3 टियर वाता. एवं शयनयान	गाजियाबाद, मुरादाबाद, बरेली एवं लखनऊ
05220	आनन्द विहार (टर्मि.)	08:00	मुजफ्फरपुर	00:45	शयनयान एवं सामान्य	गोविंदपुरी, प्रयागराज जं., पं. दीन दयाल उपाध्याय जं., बक्सर, आरा, दानापुर, पाटलिपुत्र, सोनपुर जं. एवं हाजीपुर जं.
05038	आनन्द विहार (टर्मि.)	11:10	बनारस	01:10	3 टियर वाता. इकोनॉमी	मुरादाबाद, बरेली, लखनऊ, राय बरेली जं., अमेठी, माँ बेल्हा देवी धाम प्रतापगढ़ जं. एवं भदोही
04056	आनन्द विहार (टर्मि.)	18:05	बलिया	10:00	प्रथम वाता.+2 टियर वाता., 3 टियर वाता. एवं शयनयान	कानपुर सेन्ट्रल, प्रयागराज जं., जौनपुर जं. एवं गाजियाबाद सिटी
02398	आनन्द विहार (टर्मि.)	08:20	गया	00:30	2 टियर वाता., 2+3 टियर वाता., 3 टियर वाता., शयनयान एवं सामान्य	गोविंदपुरी, प्रयागराज, पं. दीन दयाल उपाध्याय, भभुआ रोड, सासाराम, डेहरी ऑन सोन और अनुग्रह नारायण रोड
05284	आनन्द विहार (टर्मि.)	07:00	मुजफ्फरपुर	04:50	2 टियर वाता., शयनयान एवं सामान्य	मुरादाबाद, शाहजहाँपुर, हरदोई, लखनऊ, गोंडा जं., बस्ती, गोरखपुर जं., बगहा, हरिनगर, नरकटियागंज जंक्शन, बेतिया, सगौली जंक्शन, बापूधाम मोतिहारी, पिपरा, चकिया, मेहसी और मोतीपुर
02246	हज़रत निज़ामुद्दीन	23:55	पटना जं.	16:40	3 टियर वाता. इकोनॉमी	गोविंदपुरी, प्रयागराज जंक्शन, पं. दीन दयाल उपाध्याय जंक्शन, बक्सर, आरा और दानापुर
02262	नई दिल्ली	00:20	दरभंगा	21:15	3 टियर वाता. इकोनॉमी	गोविंदपुरी, प्रयागराज जंक्शन, पं. दीन दयाल उपाध्याय जंक्शन, बक्सर, आरा, दानापुर, पाटलिपुत्र, हाजीपुर जं., मुजफ्फरपुर जं. एवं समस्तीपुर जं.
02252	नई दिल्ली वंदे भारत त्यौहार स्पेशल	08:25	पटना जं.	20:00	वाता. कुर्सीयान, एग्जीक्यूटिव कुर्सीयान	कानपुर सेंट्रल, प्रयागराज जंक्शन, पं. दीन दयाल उपाध्याय जंक्शन, बक्सर एवं आरा
03484	नई दिल्ली	10:30	भागलपुर	04:10	शयनयान एवं सामान्य	कानपुर सेंट्रल, प्रयागराज जं., पं. दीन दयाल उपाध्याय जं., बक्सर, आरा, पटना जं., पटना साहिब, फतुहा, खुसरूपुर, बख्तियारपुर जं., बाढ़, मोकामा, हाथीदा जं. बड़हिया, लक्खीसराय जं., किऊल जं., कजरा, अभयपुर, धरहरा, जमालपुर जं., बरियारपुर और सुलतानगंज
02564	नई दिल्ली	17:55	बरौनी जं.	15:10	3 टियर वाता., 3 टियर वाता. इकोनॉमी एवं शयनयान	कानपुर सेंट्रल, ऐशबाग, बस्ती, गोरखपुर जं., देवरिया सदर, सीवान जं., छपरा एवं मुजफ्फरपुर जं.
02570	नई दिल्ली	12:15	दरभंगा	10:00	3 टियर वाता., 3 टियर वाता. इकोनॉमी एवं शयनयान	कानपुर सेंट्रल, ऐशबाग, बस्ती, गोरखपुर जं., देवरिया सदर, सिवान जं., छपरा, मुजफ्फरपुर जं. एवं समस्तीपुर जं.
02394	नई दिल्ली	13:20	पटना जं.	07:00	प्रथम वाता., 2 टियर वाता., 3 टियर वाता., 3 टियर वाता. इकोनॉमी, शयनयान, सामान्य	गोविंदपुरी, प्रयागराज, पं. दीन दयाल उपाध्याय जं., बक्सर, आरा और दानापुर
04040	आनन्द विहार (टर्मि.)	11:30	भागलपुर	11:40	3 टियर वाता.,	कानपुर सेंट्रल, प्रयागराज जं., पं. दीन दयाल उपाध्याय जं., बक्सर, आरा, दानापुर, पटना जं., बख्तियारपुर जं., मोकामा, हाथीदह जं., लक्खीसराय जं., किऊल जं., अभयपुर, जमालपुर जं. और सुल्तानगंज
04684	नई दिल्ली	21:30	सहरसा जं.	04:00	3 टियर वाता., शयनयान एवं सामान्य	गाजियाबाद, अलीगढ जं., टूंडला जं., इटावा जं., कानपुर सेंट्रल, ऐशबाग, बादशाहनगर, बाराबंकी जं., गोंडा जं., बस्ती, खलीलाबाद, गोरखपुर जं., देवरियासदर, सीवान जं., छपरा, सोनपुर, हाजीपुर जं., मुजफ्फरपुर जं., समस्तीपुर जं., दलसिंहसराय, बरौनी जं., बेगुसराय, खगड़िया जं. एवं मानसी जं.
दिनांक 07.11.2024 (गुरुवार) को पूर्व दिशा की ओर प्रस्थान करने वाली रेलगाड़ियों की सूची						
04032	आनन्द विहार (टर्मि.)	05:15	सहरसा जं.	10:30	3 टियर वाता.	गाजियाबाद, मुरादाबाद, बरेली, शाहजहाँपुर, सीतापुर, गोंडा, बस्ती, गोरखपुर, कप्तानगंज जं., बगहा, नरकटियागंज जं., रक्सौल जं., बैरगनिया, सीतामढ़ी, जनकपुर रोड, दरभंगा जं., सकरी जं., झंझारपुर, निर्मली, सरायगढ़, सुपौल और गढ़ बरुआरी
04058	आनन्द विहार (टर्मि.)	23:15	मुजफ्फरपुर	21:15	2 + 3 टियर वाता., शयनयान एवं सामान्य	मुरादाबाद, चंदौसी जंक्शन, हरदोई, लखनऊ, गोरखपुर जंक्शन, छपरा और हाजीपुर जंक्शन
05220	आनन्द विहार (टर्मि.)	08:00	मुजफ्फरपुर	00:45	शयनयान एवं सामान्य	गोविंदपुरी, प्रयागराज जं., पं. दीन दयाल उपाध्याय जं., बक्सर, आरा, दानापुर, पाटलिपुत्र सोनपुर जं. एवं हाजीपुर जं.
05110	आनन्द विहार (टर्मि.)	12:55	छपरा	06:45	सामान्य	मुरादाबाद, बरेली, सीतापुर, बुढ़वल जं., गोंडा जं., बस्ती, खलीलाबाद, गोरखपुर, देवरिया सदर एवं सिवान जं.
04028	आनन्द विहार (टर्मि.)	09:00	जयनगर	07:30	प्रथम वाता., 2 टियर वाता., 3 टियर वाता., शयनयान एवं सामान्य	कानपुर सेंट्रल, प्रयागराज जं., पं. दीन दयाल उपाध्याय जं., बक्सर, आरा, पटना जं., मोकामा जं., बरौनी जं., समस्तीपुर जं., दरभंगा जं. एवं मधुबनी
02398	आनन्द विहार (टर्मि.)	08:20	गया	00:30	2 टियर वाता., 2+3 टियर वाता., 3 टियर वाता., शयनयान एवं सामान्य	गोविंदपुरी, प्रयागराज, पं. दीन दयाल उपाध्याय, भभुआ रोड, सासाराम, डेहरी ऑन सोन और अनुग्रह नारायण रोड
05284	आनन्द विहार (टर्मि.)	07:00	मुजफ्फरपुर	04:50	2 टियर वाता., शयनयान एवं सामान्य	मुरादाबाद, शाहजहाँपुर, हरदोई, लखनऊ, गोंडा जं., बस्ती, गोरखपुर जं., बगहा, हरिनगर, नरकटियागंज जंक्शन, बेतिया, सगौली जंक्शन, बापूधाम मोतिहारी, पिपरा, चकिया, मेहसी और मोतीपुर
04124	हज़रत निज़ामुद्दीन	15:50	प्रयागराज जं.	09:00	3 टियर वाता., शयनयान एवं सामान्य	मथुरा जं., आगरा कैंट., धौलपुर, ग्वालियर, वीरांगना लक्ष्मीबाई झाँसी, मऊ रानीपुर, हरपालपुर, कुलपहाड़, महोबा, बांदा जंक्शन, अतर्रा, चित्रकूट धाम, मानिकपुर जंक्शन, डभौरा और शंकरगढ़
04080	दिल्ली जं.	19:30	वाराणसी जं.	09:45	2+3 टियर वाता., शयनयान एवं सामान्य	गाजियाबाद, मुरादाबाद, लखनऊ और माबेल्हा देवी धाम प्रतापगढ़
05004	दिल्ली जं.	15:15	गोरखपुर जं.	07:30	3 टियर इकोनॉमी, शयनयान एवं सामान्य	गाजियाबाद, मुरादाबाद, बरेली, सीतापुर, बुढ़वल जं., गोंडा, बस्ती एवं खलीलाबाद
02564	नई दिल्ली	17:55	बरौनी जं.	15:10	3 टियर वाता., 3 टियर वाता. इकोनॉमी एवं शयनयान	कानपुर सेंट्रल, ऐशबाग, बस्ती, गोरखपुर जं., देवरिया सदर, सीवान जं., छपरा एवं मुजफ्फरपुर जं.
02570	नई दिल्ली	12:15	दरभंगा	10:00	3 टियर वाता., 3 टियर वाता. इकोनॉमी एवं शयनयान	कानपुर सेंट्रल, ऐशबाग, बस्ती, गोरखपुर जं., देवरिया सदर, सिवान जं., छपरा, मुजफ्फरपुर जं. एवं समस्तीपुर जं.
02394	नई दिल्ली	13:20	पटना जं.	07:00	प्रथम वाता., 2 टियर वाता., 3 टियर वाता., 3 टियर वाता. इकोनॉमी, शयनयान, सामान्य	गोविंदपुरी, प्रयागराज, पं. दीन दयाल उपाध्याय, बक्सर, आरा और दानापुर

रेल यात्रा के दौरान ज्वलनशील वस्तुएं जैसे पटाखे, पेट्रोल, मिट्टी का तेल, गैस सिलेंडर आदि लेकर कभी यात्रा न करें।

रेलयात्रियों से अनुरोध है किसी भी अन्य जानकारी जैसे मार्ग में पड़ने वाले स्टेशन एवं उनकी विस्तृत समय-सारणी की जानकारी के लिए रेलमदद हेल्पलाईन नं. 139 पर सम्पर्क करें अथवा रेलवे की वेबसाइट https://enquiry.indianrail.gov.in अथवा NTES App देखें।

उत्तर रेलवे

हमें www.nr.indianrailways.gov.in पर मिलें

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

पर हमें फॉलो करें

अल्मोड़ा में भीषण बस दुर्घटना, 38 की मौत

- राष्ट्रपति-प्रधानमंत्री सहित सभी ने जताया शोक, मुआवजे की घोषणा, मजिस्ट्रेट जांच के आदेश
- प्रधानमंत्री से मृतक के निकट परिजनों को दो लाख रुपये, गंभीर रूप से घायलों को 1 लाख व कम घायलों को 50 हजार रुपये देने की घोषणाइसके निर्यात की दिशा में काम करेंगे
- मुख्यमंत्री ने मृतक के निकट परिजनों को चार लाख रुपये के मुआवजे की घोषणा की

एजेंसी

नई दिल्ली। उत्तराखंड के अल्मोड़ा जनपद में रामनगर के समीप माचुर्ला में आज सुबह हुए बस हादसे पर राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू , प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और गृहमंत्री अमित शाह, अनेक केन्द्रीय मंत्रियों सहित वरिष्ठ राजनेताओं ने गहरा दुःख जताया है। वहीं प्रधानमंत्री मोदी ने इस दुर्घटना में मृतक के परिजनों को पीएमएनआरएफ से दो लाख रुपये, गंभीर रूप से घायलों को एक लाख व अपेक्षाकृत कम घायलों को 50 हजार रुपये सहायता राशि देने की घोषणा की है। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने सोशल मीडिया एक्स पर लिखा है कि उत्तराखंड के अल्मोड़ा में सड़क दुर्घटना में महिलाओं और बच्चों सहित कई लोगों की मृत्यु का समाचार हृदय विदारक है। मैं शोक संतप्त परिवारों के प्रति गहन संवेदनाएं व्यक्त करती हूं तथा घायल हुए लोगों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना करती हूं। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने सोशल मीडिया एक्स पर लिखा है कि उत्तराखंड के अल्मोड़ा में हुए सड़क हादसे में जिन्होंने अपनों को खोया है, उनके प्रति मेरी शोक-संवेदनाएं। इसके साथ ही मैं सभी घायलों की शीघ्र कुशलता की कामना करता हूं। राज्य सरकार की देखरेख में स्थानीय प्रशासन राहत और बचाव के हर संभव प्रयास में जुटा है।केंद्रीय गृहमंत्री ?अमित शाह ने एक्स पर लिखा है कि उत्तराखंड के अल्मोड़ा में हुई बस दुर्घटना अत्यंत दुःखद है। इस हादसे में अपना जीवन गंवाने वाले लोगों के परिजनों के प्रति संवेदनाएं व्यक्त करता हूं। स्थानीय प्रशासन द्वारा घायलों को त्वरित उपचार उपलब्ध कराया जा रहा है। ईश्वर से घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना करता हूं। राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल गुरमीत सिंह (से.नि.) और मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने अल्मोड़ा बस हादसे में मृतकों के प्रति गहरा दुःख जताया। मुख्यमंत्री धामी ने प्रत्येक मृतक के आश्रितों को चार-चार लाख रुपये व घायलों को एक-एक लाख रुपये की सहायता राशि देने की घोषणा की है।

प्रधानमंत्री मोदी 13 को बिहार के दरभंगा में एम्स का करेंगे शिलान्यास

एजेंसी

पटना। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी 13 नवंबर को बिहार दौरे पर आएंगे। इस दौरान वे दरभंगा में एम्स का शिलान्यास करेंगे। इस कार्यक्रम में मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के साथ गठबंधन के शीर्ष नेता भी शामिल होंगे। दरभंगा शहर के भाजपा विधायक संजय सरावगी ने कहा कि 13 नवम्बर को पीएम मोदी दरभंगा आएंगे और एम्स का शिलान्यास करेंगे। केंद्र सरकार ने इस अहम परियोजना के लिए फिलहाल 1,261 करोड़ रुपये का बजट उपलब्ध कराया है। दरभंगा एम्स को अत्याधुनिक स्वास्थ्य देखभाल संस्थान के रूप में विकसित करने का लक्ष्य है। बिहार सरकार ने एम्स के लिए 188 एकड़ जमीन उपलब्ध कराई है। इस परियोजना को पूरा करने के लिए तीन वर्ष का समय निर्धारित किया गया है। उल्लेखनीय है कि दरभंगा एम्स के निर्णाण को लेकर बिहार में खूब राजनीति हुई। बिहार में महागठबंधन की सरकार बनने के बाद इसके निर्माण पर ग्रहण लग गया था। राज्य सरकार ने केंद्र सरकार को जो जमीन उपलब्ध कराई थी, उसमें एम्स निर्माण से केंद्र ने हाथ खड़े कर दिए थे। बिहार में फिर से राजग की सरकार बनी तो केंद्र सरकार ने उसी जमीन में एम्स के निर्माण में अपनी सहमति दे दी थी।

खास खबर

चंडीगढ़ हवाई अड्डे से फ्लाइट का 24 घंटे संचालन बंद

चंडीगढ़। चंडीगढ़ स्थित अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर सोमवार आधी रात से विमानों का संचालन बंद हो जायेगा। भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण (एएआई) ने शहीद भगत सिंह हवाई अड्डे पर निगरानी के घंटों में भी कटौती कर दी है। नए कार्यक्रम के अनुसार अब चंडीगढ़ हवाई अड्डे पर आखिरी उड़ान रात 11.25 बजे तक पहुंच जाती है। रात 11.25 बजे के बाद और सुबह 5.55 बजे से पहले अब कोई उड़ान संचालन नहीं हो रहा है। इससे पहले मध्य रात्रि के बाद और सुबह 5 बजे से पहले दो उड़ानें संचालित होती थीं। नए कार्यक्रम का असर मुंबई से अबू धाबी के लिए उड़ानों के समय पर भी पड़ा है, जिसे पुनर्निर्धारित किया गया है। गर्मियों के दौरान शुरू किए गए अबू धाबी के अंतरराष्ट्रीय गंतव्य को भी सुबह 6 बजे आगमन और सुबह 10.10 बजे प्रस्थान के लिए शेड्यूल किया गया है। चंडीगढ़ हवाई अड्डे पर वर्तमान में रात के समय अब छह उड़ानें आती हैं।

वायु सेना का मिग-29 लड़ाकू विमान दुर्घटनाग्रस्त पायलट सुरक्षित

नई दिल्ली। उत्तर प्रदेश में आगरा के पास सोमवार को वायु सेना का एक मिग-29 लड़ाकू विमान दुर्घटनाग्रस्त हो गया। विमान ने पंजाब के आदमपुर से उड़ान भरी थी और अभ्यास के लिए आगरा जा रहा था। दुर्घटना से पहले विमान के पायलट सहित दो लोग सुरक्षित कूद गए, जिससे उनकी जान बच गई। दुर्घटना की विस्तृत जानकारी के लिए कोर्ट ऑफ इंक्वायरी का आदेश दिए जाने की संभावना है। वायु सेना के मिग-29 लड़ाकू विमान ने आज दोपहर पंजाब के आदमपुर से उड़ान भरी लेकिन उत्तर प्रदेश के आगरा में दुर्घटनाग्रस्त हो गया। विमान क्रैश होकर जमीन पर गिरा, जिसके बाद उसमें आग लग गई। विस्तृत विवरण की प्रतीक्षा है।

मेघालय पुलिस ने पकड़े सात बांग्लादेशी नागरिक

शिलांग। भारत-बांग्लादेश सीमावर्ती मेघालय के दक्षिण पश्चिम गारो हिल्स जिला के महेंद्रगंज पुलिस थानांतर्गत कलाइस के बदलामग्री इलाके से सात बांग्लादेशी नागरिकों को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस सूत्रों ने आज बताया है कि बांग्लादेशी नागरिक कलाइस इलाके में पैदल जा रहे थे। सूचना मिलते ही सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) और कलाइस पुलिस के संयुक्त अभियान में सातों अवैध नागरिकों को गिरफ्तार किया गया। बाद में उन्हें पुलिस स्टेशन लाया गया, जहां पर अधिक जानकारी के लिए उनसे पूछताछ की जा रही है। पुलिस के अनुसार गिरफ्तार किये गये बांग्लादेशी नागरिकों में अंगूर हुसैन अफरीब (20, कुरीग्राम, बांग्लादेश), अमीर अली (35, कुरीग्राम, बांग्लादेश), चांद मियां (60, कुरीग्राम, बांग्लादेश), बुकुल मियां (32, कुरीग्राम, बांग्लादेश), मीरजहां (45, कुरीग्राम, बांग्लादेश), रसेल अली (35, कुरीग्राम, बांग्लादेश), बिप्लप मियां (35, कुरीग्राम, बांग्लादेश) हैं।

तृतीय केदार तुंगनाथ के कपाट शीतकाल के लिए बंद

रुद्रप्रयाग/ऊखीमठ/तुंगनाथ। पंचकेदारों में प्रतिष्ठित तृतीय केदार तुंगनाथ मंदिर के कपाट आज पूर्वाह्न 11 बजे शुभ मुहूर्त पर विधि-विधान से शीतकाल के लिए बंद हो गए। पांच सौ से अधिक श्रद्धालु कपाट बंद होने के साक्षी बने। इस यात्रा वर्ष में पौने दो लाख श्रद्धालु तुंगनाथ पहुंचे। कपाट बंद होने के बाद भगवान तुंगनाथ की उत्सव डोली ने स्थानीय वाद्य यंत्रों ढोल- दमाऊं सहित बाबा तुंगनाथ के जय उद्घोष के साथ प्रथम पड़ाव चोपता को प्रस्थान किया। बदरीनाथ-केदारनाथ मंदिर समिति (बीकेटीसी) अध्यक्ष अजेंद्र अजय ने तुंगनाथ मंदिर के कपाट बंद होने के अवसर पर श्रद्धालुओं को शुभकामनाएं दी। उन्होंने बताया कि इस यात्रा वर्ष एक लाख सत्तर हजार से अधिक तीर्थयात्रियों ने भगवान तुंगनाथ के दर्शन किए। बीकेटीसी मुख्य कार्याधिकारी विजय प्रसाद थपलियाल ने भी कपाट बंद होने पर श्रद्धालुओं को शुभकामनाएं दी।

भारतीय लोक प्रशासन में औपनिवेशिक मानसिकता से अलग भारतीय विशेषताएं होनी चाहिए: उपराष्ट्रपति

- भारतीय नौसेना के ध्वज को बदलकर हमारा तिरंगा शामिल कर दिया गया

एजेंसी

नई दिल्ली। उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने सोमवार को कहा कि भारत तेजी से औपनिवेशिक मानसिकता को त्याग रहा है, हम अब पूर्व में प्रचलित औपनिवेशिक विचारों और प्रतीकों को चुनौती दे रहे हैं। उन्होंने कहा कि भारतीय लोक प्रशासन में औपनिवेशिक मानसिकता से अलग भारतीय विशेषताएं होनी चाहिए, जो स्वतंत्रता के बाद की हमारी आकांक्षाओं के अनुरूप हों। उपराष्ट्रपति धनखड़ ने नई दिल्ली में भारतीय लोक प्रशासन संस्थान (आईआईपीए) की आम सभा की 70वीं वार्षिक बैठक में उपस्थित लोगों को संबोधित करते हुए कि हम अब पहले के देवता माने जाने वाले औपनिवेशिक विचारों और प्रतीकों को चुनौती दे रहे हैं। किंग्स वे अब कर्तव्य पथ बन गया है और रेसकोर्स रोड लोक कल्याण मार्ग बन गया है। नेताजी अब उस छतरी के नीचे खड़े हैं, जहां कभी किंग जॉर्ज की मूर्ति हुआ करती थी। भारतीय नौसेना के ध्वज को बदलकर हमारा तिरंगा शामिल कर दिया गया। औपनिवेशिक काल की 1500 प्रतिमाएं अब कानून की किताब में नहीं हैं। उन्होंने कहा कि नए आपराधिक कानून भारतीय न्याय संहिता, भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता (बीएनएसएस) और भारतीय साक्ष्य अधिनियम ने भारतीय आपराधिक न्याय प्रणाली को औपनिवेशिक विरासत से मुक्त कर दिया है।सरकारी अधिकारियों के बीच भावनात्मक बुद्धिमत्ता और सॉफ्ट स्किल्स के महत्व पर प्रकाश डालते हुए धनखड़ ने कहा कि अपने प्रशिक्षुओं की भावनात्मक बुद्धिमत्ता पर अधिक ध्यान दें। सरकारी अधिकारियों के बीच सॉफ्ट स्किल्स, भावनात्मक बुद्धिमत्ता और सांस्कृतिक क्षमता विकसित करना महत्वपूर्ण है ताकि अधिकारी हाशिए पर पड़े और वंचित लोगों के संघर्षों को समझ सकें, ऐसी नीतियों को डिजाइन और लागू कर सकें, जो वास्तव में उन चुनौतियों का समाधान करें।

भगवान महाकाल का राजा स्वरूप में हुआ श्रृंगार

- चांदी की पालकी में सवार होकर नगर भ्रमण पर निकलेंगे अवंतिकानाथ

एजेंसी

उज्जैन। उज्जैन स्थित विश्व प्रसिद्ध ज्योतिर्लिंग भगवान महाकालेश्वर मंदिर में आज भस्मारती के दौरान बाबा महाकाल का फूलों से आकर्षक शृंगार किया गया। इस दौरान बाबा महाकाल के मस्तक पर चंद्र, त्रिपुंड भी लगाए गए। भगवान के इस दिव्य स्वरूप के हजारों श्रद्धालुओं ने दर्शन किए। वहीं, कार्तिक-अगहन मास में निकलने वाली सवारियों के क्रम में आज शाम को कार्तिक मास की पहली सवारी धूमधाम से निकाली जाएगी। इस दौरान अवंतिकानाथ चांदी की पालकी में मनमहेश रूप में सवार होकर नगर का भ्रमण कर अपनी प्रजा का हाल जानेंगे। महाकालेश्वर मंदिर के पुजारी पंडित महेश शर्मा ने बताया कि कार्तिक शुक्ल पक्ष की तृतीया तिथि पर सोमवार तड़के 4:00 बजे मंदिर के पट खोले गए। इसके बाद पण्डे-पुजारियों ने दूध,दही, घी, शहद और फलों के रस से बने पंचामृत से बाबा महाकाल का अभिषेक पूजन किया। हरिओम का जल अर्पित किया गया। कपूर आरती के बाद भगवान महाकाल को त्रिपुण्ड, त्रिनेत्र, भांग और चन्दन अर्पित कर फूलों से राजा स्वरूप में श्रृंगारित किया गया। उन्होंने बताया कि इसके बाद महानिवार्णी अखाड़े के द्वारा बाबा महाकाल को भस्म अर्पित की गई।

हैरिस और ट्रंप ने प्रचार में झोंकी ताकत

- ब्रिटेन को फीस से मिलते हैं 2.10 लाख करोड़

एजेंसी

वाशिंगटन। संयुक्त राज्य अमेरिका में राष्ट्रपति चुनाव प्रचार के अंतिम चरण में उपराष्ट्रपति कमला हैरिस और पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने पूरी ताकत झोंक दी। दोनों ने मतदाताओं को अपने-अपने तरीके से अपने पाले में खींचने की कोशिश की। अमेरिकी लोकतंत्र के इस महापर्व पर द न्यूयॉर्क टाइम्स की खबर के अनुसार हैरिस ने रविवार को मिशिगन स्टेट यूनिवर्सिटी में रैली को संबोधित किया। उन्होंने मतदाताओं से एकता बनाए रखने की अपील की। दिलचस्प यह रहा कि उन्होंने यहां अपने प्रतिद्वंद्वी ट्रंप का एक बार भी नाम नहीं लिया। उन्होंने गाजा में युद्ध को समाप्त करने का वादा किया। द न्यूयॉर्क टाइम्स के अनुसार ट्रंप ने पेंसिल्वेनिया की तुलना में मैकॉन की रैली में सर्वेक्षणों पर निराशा व्यक्त की। उन्होंने जॉर्जिया की रैली में उत्तरी कैरोलिना में आए तूफान हेलेन के लिए संघीय सरकार की आलोचना की।

इंडोनेशिया में ज्वालामुखी फटा, नौ की मौत, कई मकान राख

- लोगों को सतर्क रहने और सरकारी निर्देशों का पालन करने की दी सलाह

एजेंसी

जकार्ता। इंडोनेशिया के फ्लोरेस द्वीप पर माउंट लेवोटोबी लाकी के ज्वालामुखी फटने से तबाही मच गई है, जिसमें कम से कम नौ लोगों की मौत हो गई है। मीडिया रिपोर्ट में यह जानकारी इंडोनेशिया की आपदा प्रबंधन ने दी है। ज्वालामुखी विस्फोट पिछले सप्ताह से जारी है और इसकी तीव्रता बढ़ती ही जा रही है। विगत दिनों से रोज करीब 2,000 मीटर की ऊंचाई तक राख उठ रही है।विस्फोट के बाद 2,000 मीटर ऊँचाई तक राख हवा में फैल गई थी। माउंट लेवोटोबी लाकी के अधिकारी ने बताया कि गर्म राख ने एक गांव को अपनी चपेट में ले लिया, जिसके कारण कैथोलिक नन के एक कॉन्वेंट समेत कई मकान जल गए। ज्वालामुखी विस्फोट के बाद क्षेत्र के लोगों को सुरक्षित स्थानों पर जाने के निर्देश दिए गए हैं। प्रशासन ने राहत कार्यों की योजना बनाई है ताकि प्रभावित लोगों को मदद दी जा सके। इंडोनेशिया जो ज्वालामुखियों के रिंग ऑफ फायर पर स्थित है उसमें समय-समय पर इस तरह के ज्वालामुखी विस्फोट होते रहते हैं। अधिकारियों ने लोगों को सतर्क रहने और सरकारी निर्देशों का पालन करने की सलाह दी है।

डोनाल्ड ट्रंप को व्हाइट हाउस छोड़ने का है पछतावा,बोले ये मेरी बड़ी गलती थी

- ट्रंप ने 2020 के राष्ट्रपति चुनाव में मतगणना प्रक्रिया पर सवाल उठाए

एजेंसी

वॉशिंगटन। अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति और इस बार राष्ट्रपति पद के उम्मीदवार डोनाल्ड ट्रंप को व्हाइट हाउस छोड़ने का पछतावा है। उन्होंने कहा कि मुझे ये आवास छोड़ना नहीं था। ट्रंप ने 2020 के चुनाव की कड़वी यादें ताजा करते हुए कहा कि उन्हें व्हाइट हाउस छोड़ना ही नहीं चाहिए था। इससे यह आशंका पैदा हो गई कि अगर वह हैरिस से हार गए तो 5 नवंबर के मतदान के नतीजे को स्वीकार नहीं करेंगे। डोनाल्ड ट्रंप ने अपने भाषण में बाइडन प्रशासन की आव्रजन नीति पर सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि जब तक वह व्हाइट हाउस में थे तब तक देश की सीमाएं सुरक्षित थीं। पूर्व राष्ट्रपति ने पेंसिल्वेनिया के लिटित्ज में चुनावी रैली में कहा, जिस दिन मैंने राष्ट्रपति भवन छोड़ा, उस दिन हमारे देश के इतिहास में हमारी सीमा सबसे सुरक्षित थी। मुझे जाना ही नहीं चाहिए था। मेरा मतलब ईमानदारी से है, क्योंकि हमने बहुत अच्छा काम किया। ट्रंप ने 2020 के राष्ट्रपति चुनाव में मतगणना प्रक्रिया पर सवाल उठाए।

थाना किशनगढ़ की टीम का सराहनीय कार्य, 03 लुटेरों को किया गिरफ्तार

एजेंसी

नई दिल्ली। थाना किशनगढ़, दक्षिण-पश्चिम जिले के कर्मचारियों ने तीन शातिर लुटेरों को गिरफ्तार करके एक सराहनीय कार्य किया है, 21.10.2024 को, थाना किशनगढ़ में लगभग 2:30 बजे अधचीनी रेड लाइट के पास 3 अज्ञात बाइक सवारों द्वारा महिला कॉलर के साथ लूटपाट और छेड़छाड़ के प्रयास के संबंध में एक पीसीआर कॉल प्राप्त हुई, जिस पर आईओ/एएसआई जवाहर सिंह ने कॉलर महिला ए से संपर्क किया। पूछताछ में उसने बताया कि 20/21.10.2024 की मध्य रात्रि को वह ऑटो से भोगल से जेएनयू आ रही थी, जब वह अधचीनी रेड लाइट, शहीद भगत सिंह मार्ग के पास पहुंची, तो 3 अज्ञात व्यक्तियों ने उसका ऑटो रोका और हाथ जैसी वस्तु दिखाकर उसका मोबाइल फोन लूटने का प्रयास किया। तदनुसार, एफआईआर संख्या 280/2024, धारा 309(5)/3(5) बीएनएस, पीएस किशनगढ़ के तहत मामला दर्ज किया गया और जांच शुरू की गई, मामले की गंभीरता को देखते हुए और मामले को सुलझाने के लिए, इंस्पेक्टर बिशंबर दयाल, एसएचओ/ किशनगढ़ और रणवीर सिंह, एसीपी/ सफदरजंग एन्क्लेव की देखरेख में एक समर्पित टीम गठित की गई,जांच के दौरान ऑटो चालक की विस्तार से जांच की गई तथा शिकायतकर्ता और ऑटो चालक की निशानदेही पर उनके द्वारा लिया गया।

नई किया कार्निवल कार का किया अनावरण

नोएडा (चेतना मंच)। बीजेपी के वरिष्ठ नेता तथा समाजसेवी पंडित रविकांत मिश्रा ने सेक्टर-6, स्थित किया कार के शोरूम में न्यू किया कार्निवल लक्ज़री कार का अनावरण मुख्य अतिथि के रूप में दीप प्रज्वलित और केक काटकर किया।

इस अवसर पर शोरूम के डायरेक्टर तरुण सिंघल, जनरल मैनेजर अनामिका जैन, रामाज्ञा स्कूल के चेयरमैन संजय गुप्ता, एवर ग्रीन स्वीट्स के मालिक राज कुमार गर्ग, गिरीश मिश्रा, नरेन्द्र चोपड़ा, सुरेश प्रजापति, नवीन शर्मा, के के मिश्रा आदि कई गणमान्य लोग साथ रहे।

पृष्ठ एक के शेष....

दिल्ली के हाथ से...

रहेंगे या नहीं ? इसके बाद उन्होंने तंज कसते हुए लिखा कि कहीं ये दिल्ली के हाथ से लगाम अपने हाथ में लेने की कोशिश तो नहीं है ? दिल्ली बनाम लखनऊ 2.0।

प्रदेश में अब डीजीपी की नियुक्ति राज्य सरकार के स्तर से ही हो सकेगी। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की अध्यक्षता में सोमवार को कैबिनेट ने इस बाबत पुलिस महानिदेशक, उत्तर प्रदेश (उत्तर प्रदेश के पुलिस बल प्रमुख) चयन एवं नियुक्ति नियमावली 2024 को मंजूरी प्रदान कर दी। इसमें हाईकोर्ट के सेवानिवृत्त न्यायाधीश की अध्यक्षता में मनोनयन समिति गठित करने का प्राविधान किया गया है। वहीं डीजीपी का न्यूनतम कार्यकाल दो वर्ष निर्धारित किया गया है।

कूड़े से भरा ट्रक...

ग़नीमत रही कि बीच सड़क पर जब ट्रक पलटा तब उसके नीचे कोई वाहन चालक या राहगीर नहीं दबा। सूचना पर ट्रैफिक पुलिस व नोएडा अथॉरिटी के जन स्वास्थ्य विभाग के अधिकारी मौके पर पहुंचे। फिर क्रेन से ट्रक सीधा करवाया गया। इसके बाद कूड़ा उठाने का काम शुरू करवाया गया।

शोर मचाने से...

दो गुट आपस में झगड़ते दिखाई दे रहे हैं, हाथ में डंडा भी है और एक दूसरे को घुंसे भी मार रहे हैं. कुछ महिलाए भी मौके पर मौजूद है, उन्हें शांत कराने में भी जुटी हैं. पुलिस के अनुसार कुछ लोग देर रात पाई-1 स्थित मीनाक्षी अपार्टमेंट पाई-1 शोर मचा रहे थे, तभी कुछ लोगों ने आपत्ति करते हुए उन्हे ऐसा करने से मना किया. इसी बात को लेकर दोनों गुटों में विवाद शुरू हुआ और देखते देखते हैं इतना विवाद इतना बड़ा दोनों के बीच हाथापाई होने लगी. इसके बाद दोनों गुटों ने एक दूसरे पर लाठी, डंडों और लात घूँसों बरसाने लगे। इसी बीच किसी ने घटना की सूचना कोतवाली बीटा-2 पुलिस को दे दी, मौके पर पहुंची पुलिस ने पीड़ित पक्ष का मेडिकल परीक्षण कराते हुए एक आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया है। थाना बीटा-2 पुलिस द्वारा झगडे के कारणों जांच व अन्य आवश्यक की जा रही है।

दिल्ली का शातिर...

क्षेत्र में एनएसईजेड तिराहे के पास हुई, जब चेकिंग के दौरान बिना नम्बर की अपाचे मोटरसाइकिल पर सवार तीन लोगों को पुलिस ने जांच के लिए रोकाना चाहा, तो वह पलट कर भागने लगे। लेकिन मोटरसाइकिल के फिसल जाने के कारण, बदमाशों ने पुलिस से बचने के लिए पुलिस टीम पर फायर किया। पुलिस के जवाबी कार्रवाई में एक बदमाश राहुल गोली लगने से घायल हो गया है। जबकि उसके दो साथी मौके से फरार होने में सफल हो गए पुलिस ने राहुल को इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया है। उसके कब्जे से तमंचा कारतूस और बिना नंबर प्लेट की अपाचे बाइक और एक जोड़ी पाजेब और दस हजार नगद बरामद किए हैं। राहुल अपने साथियों के साथ मिलकर घरों में चोरी की घटनाओं को अंजाम देता था।

गुर्जर समाज ने ही मुझे पहली बार ब्लॉक प्रमुख बनाया था : डी पी यादव

दादरी (चेतना मंच)। बिसरख गांव में एक शोक सभा का आयोजन किया गया, जहां पूर्व मंत्री डीपी यादव ने गुर्जर समाज के वरिष्ठ नेता स्वर्गीय ध्यान सिंह भाटी को श्रद्धांजलि अर्पित की। पूर्व प्रमुख चौधरी जगत सिंह के पुत्र ध्यान सिंह भाटी के निधन पर आयोजित इस कार्यक्रम में यादव सैकड़ों समर्थकों के साथ पहुंच। डीपी यादव ने भाटी परिवार की प्रशंसा करते हुए कहा कि यह परिवार न केवल बिसरख ब्लॉक का, बल्कि समूचे गुर्जर समाज का प्रमुख घराना है। महेंद्र भाटी और नरेंद्र भाटी जैसे दिग्गज नेताओं का संबंध इसी घराने से रहा है। यादव ने अपने राजनीतिक सफर को याद करते हुए बताया कि उनकी बिसरख ब्लॉक प्रमुख के रूप में राजनीतिक यात्रा में गुर्जर समाज का महत्वपूर्ण योगदान रहा है। उन्होंने कहा कि मैं तब एक साधारण ग्राम प्रधान था, यादव बिरादरी के मात्र 7 वोट थे, लेकिन गुर्जर समाज ने मुझे अपना ब्लॉक प्रमुख चुना। वर्तमान में बिसरख ब्लॉक के प्रमुख अमरीश भाटी भी इसी परिवार से हैं।

डीपी यादव ने दुजाना गांव का भी जिक्र किया। उन्होंने कहा कि भाटी परिवार का प्रभाव गुर्जर समाज में लगातार बढ़ रहा है। चौधरी छूग्गु सिंह और तेगा प्रधान सुंदर सिंह जैसे गुर्जर नेताओं का गढ़ रहा है। यही वह स्थान है जहां चौधरी चरण सिंह का आगमन हुआ था और जहां से गुर्जर समाज की मजबूत जड़ें जुड़ी हैं।

इस श्रद्धांजलि सभा में सतपाल पहलवान, विजय चौहान, महावीर सिंह, दीपक यादव, विजय यादव और अरनिया ब्लॉक प्रमुख सुरेंद्र सिंह सहित कई गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे।

खास खबर

आईपीएल 2025 : रियाद में 24, 25 नवंबर को हो सकती है मेगा नीलामी

नई दिल्ली । इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2025 की मेगा नीलामी 24 और 25 नवंबर को सऊदी अरब के रियाद में होने की उम्मीद है। हालाँकि भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने अभी तक आधिकारिक तौर पर स्थान या तारीखों की पुष्टि नहीं की है, लेकिन सूत्रों के अनुसार अंतिम व्यवस्थाएँ प्रगति पर हैं और जल्द ही घोषणा की जा सकती है। पिछली नीलामी एक दिवसीय थी, जो दुबई में आयोजित की गई थी। जिसमें दो महत्वपूर्ण सुर्खियाँ मिशेल स्टार्क को कोलकाता नाइट राइडर्स द्वारा 24.75 करोड़ रुपये में और पैट कमिंस को सनराइजर्स हैदराबाद द्वारा 20.50 करोड़ रुपये में खरीदना था। 2022 की पिछली मेगा नीलामी में, ईशान किशन पर सबसे अधिक बोली लगाई गई थी, जिसमें मुंबई इंडियंस ने उन्हें 15.25 करोड़ रुपये में हासिल किया था। कोलकाता नाइट राइडर्स ने सनराइजर्स हैदराबाद को हराकर आईपीएल 2024 का खिताब अपने नाम किया था।

फजल अत्राचली ने की रेडर मनिंदर की तारीफ, कहा-उनका समर्पण उन्हें अलग बनाता है

हैदराबाद । बंगाल वॉरियर्स के कप्तान फजल अत्राचली ने रविवार, 3 नवंबर को हरियाणा स्टीलर्स पर 40-38 से मिली शानदार जीत के बाद अपने साथी और स्टार रेडर मनिंदर सिंह की जमकर तारीफ की। मनिंदर ने हरियाणा के खिलाफ 12 अंक बनाए और अपनी टीम के आक्रमण का नेतृत्व किया। मैच के बाद अत्राचली ने कहा, ्मनिंदर को जो चीज अलग बनाती है, वह है उनकी प्रतिबद्धता। अपने दशक भर के अनुभव में, मैंने कई अनुभवी खिलाड़ियों को अभ्यास छोड़ने की कोशिश करते देखा है, लेकिन उन्हें नहीं। वह किसी और की तुलना में अधिक प्रयास करते हैं, और हमेशा जिम, प्रशिक्षण और मैचों में अपना 100 देते हैं। ईरानी डिफेंडर ने इस बात पर भी जोर दिया कि खिलाड़ियों को इतनी लंबी अवधि तक खेलते देखना कितना दुर्लभ है। उन्होंने कहा, ्हम कई युवा खिलाड़ियों को देखते हैं, यहाँ तक कि 20 साल के खिलाड़ी भी, जो एक या दो साल के लिए आते हैं और फिर गायब हो जाते हैं। लेकिन मनिंदर की निरंतरता उनकी अथक मेहनत और फिटनेस का परिणाम है। अत्राचली ने टीम के हालिया प्रदर्शन पर कहा, ्हमारा संयोजन प्रत्येक मैच के साथ बेहतर होता जा रहा है। हमारे पास मनिंदर, सुशील (काम्ब्रेकर) और नितिन जैसे कई मजबूत खिलाड़ी हैं, और हर कोई अलग-अलग खेलों में योगदान देता है - यही बात हमें एक इकाई के रूप में प्रभावी बनाती है। दबंग दिल्ली के.सी. के खिलाफ अपने आगामी मैच पर अत्राचली ने कहा, ्इस जीत ने हमारा आत्मविश्वास बढ़ाया है, लेकिन हम जानते हैं कि हर मैच अलग होता है। हम अभ्यास में अपनी कड़ी मेहनत जारी रखेंगे, और अगर हम अपनी क्षमता के अनुसार खेलते हैं, तो हम सकारात्मक परिणाम प्राप्त कर सकते हैं।

कमिंस ने ऑस्ट्रेलिया को जीत दिलायी, पाक पहला एकदिवसीय हारी

मेलबर्न । पैट कमिंस ने शानदार बल्लेबाजी करते हुए ऑस्ट्रेलियाई टीम को पाकिस्तान के खिलाफ पहले एकदिवसीय में जीत दिलाकर मेहमान टीम के सपनों पर पानी फेर दिया। इस मैच में जीत के लिए मिले लक्ष्य का पीछा करते हुए ऑस्ट्रेलिया ने अपनी 7 विकेट केवल 155 रन पर ही खो दिये थे पर इसके बाद कमिंस ने मिचेल स्टार्क साथ खेलने हुए अपनी टीम को लक्ष्य तक पहुंचा दिया। मेजबान टीम एक 49 रन लक्ष्य से दूर थी। ऐसे समय में कमिंस ने जबरदस्त बल्लेबाजी की। इस मैच में पाकिस्तान ने 46.4 ओवर में 203 रन बनाये। नसीम शाह ने 40 रन बनाये। पाकिस्तान ने ऑस्ट्रेलिया के 8 विकेट पर 185 रन पर गिरा दिये थे और उसे जीत की उम्मीद लगने लगी थी पर इसके बाद कमिंस ने स्टार्क के साथ 19 रन की साझेदारी कर टीम को जीत दिला दी। कमिंस 31 गेंद पर 32 रन बनाकर नाबाद रहे। वहीं स्टार्क ने12 गेंद पर 2 रन बनाये। इससे पहले स्टार्क ने गेंदबाजी के दौरान 3 विकेट झटके जबकि कमिंस ने दो विकेट लिए थे।

आईसीसी ने की महिला एफटीपी 2025-29 की घोषणा

भारत करेगा इंग्लैंड, ऑस्ट्रेलिया, बांग्लादेश, जिम्बाब्वे की मेजबानी

एजेंसी

नई दिल्ली । अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने सोमवार को महिला 2025-2029 फ्यूचर टूर्स प्रोग्राम (एफटीपी) की घोषणा की, जिसके तहत भारत इंग्लैंड, ऑस्ट्रेलिया, बांग्लादेश और जिम्बाब्वे की मेजबानी करेगा। भारत इसी अवधि में न्यूजीलैंड, दक्षिण अफ्रीका, वेस्टइंडीज और आयरलैंड में अपने मैच खेलेगा। दूसरा महिला एफटीपी मई 2025 से अप्रैल 2029 तक चलेगा। इस एफटीपी में प्रत्येक वर्ष एक आईसीसी महिला इवेंट खेला जाएगा, जिसमें 2027 में छह टीमों की पहली चैंपियंस ट्रॉफी आयोजित की जाएगी। इस अवधि के दौरान होने वाले अन्य आयोजनों में 2025 में आईसीसी महिला वनडे विश्व कप (भारत), 2026 में महिला टी20 विश्व कप (यूनाइटेड किंगडम) और 2028 में महिला टी20 विश्व कप का एक और संस्करण (मेजबान की घोषणा अभी बाकी है) शामिल है। इस बार आईसीसी महिला चैंपियनशिप में भाग लेने वाली टीमों की संख्या 11 होगी, जिम्बाब्वे को पहली बार चैंपियनशिप में जोड़ा गया है। कुल मिलाकर, तीन-तीन मैचों की 44 श्रृंखलाओं में 132 वनडे खेले जाएंगे, जो 2029 में आईसीसी महिला वनडे विश्व कप के लिए योग्यता मार्ग के रूप में संदर्भ प्रदान करते हैं। आईसीसी महिला टी20 विश्व कप 2026 से पहले, इंग्लैंड त्रिकोणीय श्रृंखला के लिए भारत और न्यूजीलैंड की मेजबानी करेगा, जबकि आयरलैंड पाकिस्तान और वेस्टइंडीज की मेजबानी करेगा। श्रीलंका और वेस्टइंडीज अन्य सदस्यों में से हैं, जिन्हें क्रमशः 2027 और 2028 में टी-20आई त्रिकोणीय श्रृंखला की मेजबानी करनी है। आईसीसी क्रिकेट के महाप्रबंधक वसीम खान ने कहा, ्हमें खुशी है कि आईडब्ल्यूसी के नए संस्करण का विस्तार किया गया है और इसमें ग्यारहवीं टीम के रूप में जिम्बाब्वे को शामिल किया जाएगा। यह उत्साहजनक है कि सदस्य बोर्ड सभी प्रारूपों में खेलने के लिए उत्सुक हैं, और साथ ही उन्होंने आईसीसी आयोजनों की तैयारी के लिए त्रिकोणीय श्रृंखला की योजना बनाई है। सदस्यों द्वारा संतुलित और प्रासंगिक कैलेंडर प्रदान करने के लिए किए गए प्रयास महिलाओं के खेल को और आगे बढ़ाएंगे। हम सदस्य बोर्डों को एफटीपी को अंतिम रूप देने में उनकी प्रतिबद्धता और सहयोग के लिए धन्यवाद देते हैं। इस एफटीपी में टेस्ट मैचों के लिए अधिक गुंजाइश है, क्योंकि ऑस्ट्रेलिया, इंग्लैंड, भारत, दक्षिण अफ्रीका और वेस्टइंडीज सभी बहु-प्रारूप श्रृंखला खेलने के लिए सहमत हैं जिसमें एकदिनी और टी-20 आई शामिल हैं। ऑस्ट्रेलिया इंग्लैंड, भारत और दक्षिण अफ्रीका के विरुद्ध दो-दो और वेस्टइंडीज के विरुद्ध श्रृंखलाएँ खेलेगा। 2028 लॉस एंजिल्स ओलंपिक के लिए एक विंडो है, जो उस वर्ष जुलाई में आयोजित किया जाएगा, इसके अलावा डब्ल्यूबीबीएल (नवंबर), द हंड्रेड (अगस्त) और महिला प्रीमियर लीग (जनवरी-फरवरी में डब्ल्यूपीएल) के लिए समर्पित वार्षिक विंडो भी है। 2026 से, डब्ल्यूपीएल जनवरी-फरवरी विंडो में खेला जाएगा। इसका मतलब यह भी है कि भारत की ऑस्ट्रेलिया की बहु-प्रारूप यात्रा, जिसमें एक टेस्ट, तीन वनडे और तीन टी-20 शामिल हैं, अब डब्ल्यूपीएल के बाद फरवरी-मार्च 2026 में आयोजित की जाएगी। क्रिकेट डॉट कॉम डॉट एयू से सीए के परिचालन और शेड्यूलिंग प्रमुख पीटर रोच ने कहा, ्यह पहली महिला एफटीपी है जिसमें डब्ल्यूपीएल शुरू से ही लागू है। डब्ल्यूपीएल को कैलेंडर वर्ष में पहले स्थानांतरित करने के बीसीसीआई के निर्णय ने हमें इस अवधि में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट खेलने के लिए अपने पसंदीदा समय को देखने की अनुमति दी। हम पिछले कुछ वर्षों से अपनी शानदार महिला टीम और खिलाड़ियों को चमकने के लिए खाली जगह की तलाश कर रहे थे, और साथ ही टीम के लिए सीजन के एक निश्चित समय में लगातार उपस्थिति की भी। फरवरी-मार्च में डब्ल्यूपीएल के तुरंत बाद की विंडो की पहचान की गई। उन्होंने कहा, ्इससे हमें अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट सत्र को आगे बढ़ाने का मौका भी मिलता है, जिसे हम एक लाभ के रूप में देखते हैं - देश भर में क्रिकेट आमतौर पर अक्टूबर के शुरू से मार्च के अंत तक चलता है ।

क्रिकेट के सभी प्रारूपों से संन्यास लेंगे रिद्धिमान साहा

एजेंसी

नई दिल्ली : रिद्धिमान साहा रणजी ट्रॉफी के मौजूदा संस्करण के बाद खेल के सभी प्रारूपों से संन्यास ले लेंगे। विकेटकीपर-बल्लेबाज साहा ने 2010 और 2021 के बीच 40 टेस्ट में भारत का प्रतिनिधित्व किया और नौ टी20आई में भी हिस्सा लिया। इसके अलावा उन्होंने कोलकाता नाइट राइडर्स, पंजाब किंग्स, सनराइजर्स हैदराबाद और गुजरात टाइटन्स सहित विभिन्न पक्षों के लिए 170 इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) मैचों में भी हिस्सा लिया। साहा ने रविवार रात एक्स पर पोस्ट किया, क्रिकेट में एक यादगार सफर के बाद, यह सीजन मेरा आखिरी सीजन होगा। रिटायर होने से पहले मैं बंगाल का प्रतिनिधित्व करने के लिए एक आखिरी बार सम्मानित महसूस कर रहा हूं, मैं सिर्फ रणजी ट्रॉफी में खेलूंगा। इस अविश्वसनीय सफर का हिस्सा बनने वाले सभी लोगों का शुक्रिया, आपका समर्थन दुनिया के लिए मायने रखता है। आइए इस सीजन को यादगार बनाएं.2007 में प्रथम श्रेणी में पदार्पण करने वाले साहा ने बंगाल के लिए 15 साल तक खेला, उसके बाद बंगाल क्रिकेट संघ (सीएबी) के कुछ अधिकारियों के साथ मतभेद के बाद त्रिपुरा चले गए। तत्कालीन सीएबी प्रमुख अविषेक डालमिया ने साहा को मनाने की कोशिश की, लेकिन उन्होंने संकेत दिया कि वह अब बंगाल के लिए नहीं खेल सकते हैं। वह सीएबी के एक वरिष्ठ अधिकारी की टिप्पणियों से नाराज थे, जिन्होंने व्यक्तिगत कारणों से रणजी ट्रॉफी के ग्रुप चरण को छोड़ने का फैसला करने के बाद साहा की प्रतिबद्धता पर सवाल उठाए थे। यहां तक कि उन्होंने बंगाल टीम के व्हाट्सएप ग्रुप को भी छोड़ दिया, जबकि कोच अरुण लाल ने भारत के अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी से बात की थी। खिलाड़ी-संरक्षक की भूमिका निभाने वाले साहा के नेतृत्व में त्रिपुरा ने पिछले सीजन में घरेलू टूर्नामेंटों में अच्छा प्रदर्शन किया था। हालांकि, भारत के पूर्व कप्तान और तत्कालीन बीसीसीआई प्रमुख सौरव गांगुली के साथ बैठक के बाद, साहा इस सीजन में बंगाल लौट आए - यह स्पष्ट संकेत है कि यह उनका आखिरी सीजन हो सकता है।

प्रतिस्पर्धी क्रिकेट में शमी की वापसी का इंतजार बढ़ा

नई दिल्ली । भारतीय क्रिकेट प्रेमियों के लिए अनुभवी तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी के प्रतिस्पर्धी क्रिकेट में वापसी का इंतजार और बढ़ गया है। उन्हें कर्नाटक और मध्य प्रदेश के खिलाफ रणजी ट्रॉफी के अगले दो राउंड के लिए बंगाल टीम में शामिल नहीं किया गया है। बंगाल बुधवार को एम चिन्नास्वामी स्टेडियम में कर्नाटक से भिड़ेगा, उसके बाद 13 नवंबर को इंदौर में मध्यप्रदेश से भिड़ेगा। शमी से उम्मीद थी कि वह कर्नाटक के खिलाफ मैच खेलकर अपनी फिटनेस को वास्तविक मैच की स्थिति में परखेंगे, क्योंकि उन्होंने न्यूजीलैंड के खिलाफ भारत के हालिया टेस्ट मैच के बाद नेट पर पूरी ताकत से गेंदबाजी की थी।

बार्सिलोना ने एस्पेनयोल को 3-1 से हराया तालिका में शीर्ष पर अपनी स्थिति की मजबूत

एजेंसी

मैड्रिड : एफसी बार्सिलोना ने रविवार को घरेलू मैदान पर एस्पेनयोल को 3-1 से हराकर ला लीगा तालिका में शीर्ष पर नौ अंक की बढ़त बना ली है। बार्सिलोना के लिए डेनी ओल्मो ने दो गोल और राफिन्हा ने 1 गोल किया और सिर्फ आधे घंटे के बाद ही मैच पर पकड़ बना ली। ओल्मो ने मैच के 12वें मिनट में ही गोल कर बार्का को आगे कर दिया। राफिन्हा ने 10 मिनट बाद ही गोल कर बार्का की बढ़त को दोगुना कर दिया। ओल्मो ने इसके बाद आधे घंटे बाद तीसरा गोल किया और बार्सिलोना की बढ़त 3-0 कर दी। जावी पुआडो ने 63वें मिनट में एस्पेनयोल के लिए सांत्वना गोल किया। अन्य मैचों में एटलेटिको मैड्रिड ने लास पालमास को घरेलू मैदान पर 2-0 से हराया, एथलेटिक क्लब और बेटिस के बीच मैच 1-1 से ड्रॉ हुआ और रियल सोसिएदाद ने सेविला को 2-0 से हराया।

रूस की श्नाइडर ने जीता डब्ल्यूटीए हांगकांग ओपन का खिताब

एजेंसी

हांगकांग । डायना श्नाइडर ने रविवार को ब्रिटिश खिलाड़ी केटी बौल्टर को 6-1, 6-2 से हराकर डब्ल्यूटीए हांगकांग ओपन का खिताब जीत लिया। विश्व में 14वें स्थान पर काबिज शीर्ष वरीयता प्राप्त श्नाइडर ने जर्मनी में बैड होम्बर्ग ओपन, थाईलैंड में हुआ हिन चैंपियनशिप और हंगरी में बुडापेस्ट ग्रैंड प्रिक्स में खिताबी जीत के साथ इस सत्र का अपना चौथा खिताब जीता। खिताबी जीत के बाद 20 वर्षीय रूसी खिलाड़ी ने कहा, मुझे ऐसा लग रहा है कि मैं उच्च स्तर पर थी। निश्चित रूप से,मैं जिस तरह से प्रतिस्पर्धा कर रही हूं, उससे खुश और गौरवान्वित हूं। दूसरी वरीयता प्राप्त और सत्र का अपना तीसरा खिताब जीतने की कोशिश में जुटी बौल्टर ने इस कठिन मैच के बारे में कहा, मैं अपना सर्वश्रेष्ठ देना चाहती थी। लेकिन यह पर्याप्त नहीं था।

हार से उबरने के लिए भिड़ेंगे जमशेदपुर और चेन्नइयन

एजेंसी

जमशेदपुर । चेन्नइयन एफसी और जमशेदपुर एफसी अपनी पिछली हार से उबरने के लिए आज शाम जेआरडी टाटा स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स में खेले जाने वाले इंडियन सुपर लीग (आईएसएल) 2024-25 मुकाबले में भिड़ेंगी। जमशेदपुर को अपने पिछले मैच में नॉर्थईस्ट यूनाइटेड एफसी से 5-0 की करारी हार मिली जबकि चेन्नइयन एफसी को नई दिल्ली में पंजाब एफसी ने 3-2 से हराया। आगामी मैच में, स्कॉटिश हेड कोच ओवेन कॉयल और फारुख चौधरी व डेनियल चीमा चुक्वू पूर्व टीम के खिलाफ अपने पुराने मैदान पर उतरेंगे। कॉयल ने 2021-22 में जमशेदपुर को चैंपियनशिप की सफलता दिलाई थी। जमशेदपुर जेआरडी टाटा स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स में चेन्नइयन के खिलाफ पिछले चार मैचों में अपराजित रहे हैं। इस दौरान उन्होंने एक मैच जीता है और तीन ड्रा खेले हैं। इस मैदान में चेन्नइयन एफसी (1-0) को एकमात्र जीत लगभग सात साल पहले 28 दिसंबर, 2017 को मिली थी। लगातार तीन घरेलू जीत के साथ जमशेदपुर एफसी इस सीजन में अपने घर में निरंतर अच्छा प्रदर्शन कर रही है। उसने प्रत्येक मैच में कम से कम दो गोल किए हैं। कॉयल ने आईएसएल में अपने पूर्व क्लब जमशेदपुर एफसी का चार बार सामना किया है।

जापान ने जीता आईआईएचएफ आइस हॉकी महिला एशिया चैंपियनशिप का खिताब

एजेंसी

बीजिंग : जापान ने रविवार को बीजिंग के शौगांग आइस हॉकी एरेना में चीन को 5-0 से हराकर आईआईएचएफ आइस हॉकी महिला एशिया चैम्पियनशिप का खिताब अपने नाम कर लिया। जापान ने शुरू से ही नियंत्रण बनाए रखा, पहले दौर में 23 शॉट लगाए और एक गोल के साथ शुरूआती बढ़त हासिल की। चीन ने दूसरे दौर में अपना बचाव कड़ा किया, जिससे जापान के स्कोरिंग के मौके सीमित हो गए, लेकिन अंतर को पाटने में असफल रहा। अंतिम दौर में, जब चीन ने बराबरी करने के

अमेरिका के ऑस्टिन कॉक्स सबसे आगे कजाकिस्तान के अलेक्जेंडर रहे दूसरे स्थान पर

एजेंसी

धर्मशाला । विश्वविख्यात पैराग्लाइडिंग साइट बीड़-बिलिंग में आयोजित किए जा रहे पैराग्लाइडिंग वर्ल्ड कप प्रतियोगिता के दूसरे दिन अमेरिका के ऑस्टिन कॉक्स 1496 अंक लेकर पहले स्थान पर चल रहे हैं। वहीं कजाकिस्तान के अलेक्जेंडर 1410 अंक दूसरे स्थान पर बने हुए हैं। प्रतियोगिता के दौरान पिछले कल रविवार को दूसरे स्थान पर चल रहे पोलैंड के डोमिनिक कैपिका का 1408 अंक लेकर तीसरे स्थान पर चल रहे हैं। उधर महिला वर्ग में पोलैंड की जोना कोक 1202 अंक लेकर पहले स्थान पर चल रही है जबकि ब्राजील की मरीना ओएलएक्सइना 649 अंक लेकर दूसरे स्थान पर है। ऑस्ट्रिया की पोलिना पिर्च 567 अंक लेकर तीसरे स्थान पर चल रही है। सोमवार को प्रतिभागियों को 65 किलोमीटर का लक्ष्य दिया गया था जिसे पूरा करने के बाद सभी प्रतिभागियों ने सुरक्षित लैंडिंग की। दूसरे दिन 23 देशों के 71 प्रतिभागियों ने भरी उड़ान बिलिंग पैराग्लाइडिंग एसोसिएशन के प्रवक्ता अंकित सूद ने बताया कि सोमवार को प्रतिभागियों को एरियल डिस्टेंस के हिसाब से 66 किलोमीटर और लोकेशन के हिसाब से 93 किलोमीटर का डिस्टेंस दिया गया था। प्रतिभागियों को बिलिंग से चौंतड़ा तक 5 किलोमीटर का चौंतड़ा से फुल्लधार तक का 12 किलोमीटर, फुल्लधार से बिलिंग का 16 किलोमीटर, बिलिंग से बंदला का 15 किलोमीटर, बंदला से हनुमानगढ़ 15 किलोमीटर और हनुमानगढ़ से लैंडिंग स्थल बीड़ का 2 किलोमीटर का लक्ष्य दिया गया था।

रोहित और विराट ने दिलीप ट्रॉफी में खेलने से किया मना

मुम्बई । भारतीय क्रिकेट टीम की न्यूजीलैंड के खिलाफ हार के बाद एक बार फिर अनुभवी खिलाड़ियों के अभ्यास मैच नहीं खेलने का सवाल उठा है। वहीं एक रिपोर्ट के अनुसार भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने विराट कोहली और रोहित शर्मा को टेस्ट सीरीज से पहले तैयारी के लिए दलीप ट्रॉफी में खेलने को कहा था पर इन दोनो ने ही इंकार कर दिया था। भारत को न्यूजीलैंड ने तीनो ही मैच हराये। तीसरे टेस्ट में भारतीय बल्लेबाजी क्रम 147 रनों के आसान लक्ष्य का पीछा करते हुए बिखर गया. भारत तीसरा और अंतिम टेस्ट 25 रनों से हार गया। केवल ऋषभ पंत ही खेल पाये। इससे एक बार फिर सीरीज से पहले अभ्यास मैच नहीं खेलने की कमी उभरकर सामने आई है।

अबू धाबी टी10 टूर्नामेंट 21 नवंबर से, 10 टीमें लेंगी हिस्सा, 12 दिन में खेले जाएंगे 40 मैच

एजेंसी

अबू धाबी । अबू धाबी टी10 का आठवां सीजन 21 नवंबर से शुरू हो रहा है, टूर्नामेंट का पहला मैच टीम अबू धाबी और अजमान बोल्ट्स के बीच खेला जाएगा। इस साल के टूर्नामेंट में एक विस्तारित प्रारूप है जिसमें 10 टीमें एक रोमांचक सीजन में प्रतिस्पर्धा करेंगी, जहां शीर्ष पांच टीमें फाइनल में जगह बनाने के लिए कड़ी लड़ाई में शामिल होंगी। प्रतिष्ठित जायद क्रिकेट स्टेडियम, अबू धाबी क्रिकेट और स्पोर्ट्स हब में केवल 12 दिनों में 40 से अधिक मैचों का आयोजन करेगा। प्लेऑफ सप्ताहांत के दौरान होंगे, जिसकी शुरूआत 1 दिसंबर को क्वालीफायर 1 से होगी, जिसमें शीर्ष दो टीमें शामिल होंगी। चौथे और पांचवें स्थान पर रहने वाली टीमें एलिमिनेटर 1 में भिड़ेंगी, उसके बाद एलिमिनेटर 2 होगा, जहां टीम 3 एलिमिनेटर 1 के विजेता से भिड़ेगी। क्वालीफायर 1 की उपविजेता फिर क्वालीफायर 2 में एलिमिनेटर 2 के विजेता से भिड़ेंगी। ग्रैंड फिनाले 2 दिसंबर को होगा, जहां क्वालीफायर 1 और क्वालीफायर 2 के विजेता खिताब के लिए प्रतिस्पर्धा करेंगे। 2024 संस्करण में 18 विभिन्न देशों के खिलाड़ी शामिल हैं। जोस बटलर, जॉनी बेयरस्टो, मार्कस स्टोइनिस, लॉकी फर्ग्यूसन और राशिद खान जैसे क्रिकेट सुपरस्टार सभी टीमों के स्टार-स्टडेड रोस्टर में शामिल होंगे, जो

एशियाई चैंपियंस : भारतीय महिला हॉकी टीम गया पंहुची

एजेंसी

राजगीर । भारतीय महिला हॉकी टीम गया पहुंच गई है, जिसके साथ ही राज्य में आयोजित पहली अंतरराष्ट्रीय हॉकी प्रतियोगिता की शुरूआत हो गई है। बिहार महिला एशियाई चैंपियंस ट्रॉफी राजगीर 2024, 11 से 20 नवंबर तक आयोजित की जाएगी, जिसमें गत चैंपियन भारत के साथ पेरिस ओलंपिक रजत पदक विजेता चीन, साथ ही जापान, कोरिया, मलेशिया और थाईलैंड शामिल होंगे। कप्तान सलीमा टेटे और उप-कप्तान नवनीत कौर के नेतृत्व में, भारत 11 नवंबर को मलेशिया के खिलाफ अपने अभियान की शुरूआत करेगा, उसके बाद 12 नवंबर को कोरिया के खिलाफ मैच होगा। एक दिन के आराम के बाद, भारत 14 नवंबर को थाईलैंड का सामना करेगा। 16 नवंबर को, भारत पेरिस ओलंपिक रजत पदक विजेता चीन को चुनौती देगा और 17 नवंबर को जापान के खिलाफ मैच के साथ पूल चरण का समापन करेगा। बिहार पहुंचने पर कप्तान सलीमा टेटे ने हॉकी इंडिया के हवाले से कहा, हम एशियाई चैंपियंस ट्रॉफी के लिए साई बेंगलुरु में कठोर प्रशिक्षण ले रहे थे। पिछले मैचों में, हमें पिच के अंतिम तीसरे हिस्से में चुनौतियों का सामना करना पड़ा, इसलिए हमने उस क्षेत्र में सुधार करने पर काफी ध्यान केंद्रित किया है। हम मैच दर मैच आगे बढ़ेंगे और प्रत्येक में अच्छा प्रदर्शन करने का लक्ष्य रखेंगे; प्रत्येक टीम एक अलग चुनौती पेश करती है, और हम किसी भी प्रतिद्वंद्वी को हल्के में नहीं लेंगे। यह पहली बार है जब हम बिहार में अंतरराष्ट्रीय हॉकी खेल रहे हैं, और हमें उम्मीद है कि हम अपने प्रदर्शन से क्षेत्र की सभी लड़कियों को प्रेरित करेंगे। हमने अच्छी तैयारी की है, और हमें विश्वास है कि हमारी मेहनत मैदान पर दिखेगी। भारत को 19 नवंबर को सेमीफाइनल में पहुंचने के लिए छह टीमों में से शीर्ष चार में जगह बनानी होगी। इसके बाद विजेता टीमें 20 नवंबर को होने वाले फाइनल में पहुंचेंगी। यह टूनामेंट मुख्य कोच हरेंद्र सिंह, (जिसमें इस साल की शुरूआत में कार्यभार संभाला था) के नेतृत्व में भारतीय महिला हॉकी टीम की पहली एशियाई प्रतियोगिता है। मुख्य कोच हरेंद्र सिंह ने कहा, आगामी एशियाई चैंपियंस ट्रॉफी में पहली बार बिहार में अंतरराष्ट्रीय मैच आयोजित किए जाएंगे। मैं बिहार सरकार, हॉकी इंडिया और सभी हॉकी प्रशंसकों को राज्य में अंतरराष्ट्रीय मैच लाने में मदद करने के लिए धन्यवाद देना चाहता हूं। प्रत्येक टीम ट्रॉफी जीतने के लक्ष्य के साथ आएगी और हमने पिछले पांच महीने एशियाई चैंपियंस ट्रॉफी को ध्यान में रखते हुए तैयारी में बिताए हैं। हमने शूटिंग सर्कल में संयोजन और निर्णय लेने जैसे सुधार के क्षेत्रों की पहचान की है और उन पर काम किया है। मुझे विश्वास है कि हॉकी प्रशंसक इस बार भारतीय महिला हॉकी टीम का एक नया पक्ष देखेंगे और वे निराश नहीं होंगे। भारत बिहार महिला एशियाई चैंपियंस ट्रॉफी राजगीर 2024 में अपने अभियान की शुरूआत 11 नवंबर को शाम 7:30 बजे मलेशिया के खिलाफ करेगा।

पेरिस में एटीपी मास्टर्स टेनिस टूर्नामेंट में ट्रॉफी उठाये हुए जर्मनी के एलेक्जेंडर ज्वेरेव।

इस साल कार्तिक माह के शुक्ल पक्ष की षष्ठी तिथि 7 नवंबर की देर रात 12.41 बजे से शुरू होगी और इसका समापन 8 नवंबर की देर रात 12.34 बजे होगा। ऐसे में 7 नवंबर, गुरुवार के दिन ही संध्याकाल का अर्घ्य दिया जाएगा। सुबह का अर्घ्य अगले दिन 8 नवंबर को दिया जाएगा।

लोक आस्था का महापर्व छठ

कार्तिक मास की शुक्ल पक्ष की षष्ठी को सूर्य षष्ठी का व्रत करने का विधान है। प्राचीन काल में इसे बिहार और उत्तर प्रदेश में ही मनाया जाता था। लेकिन आज इस प्रान्त के लोग विश्व में जहाँ भी रहते हैं वहाँ इस पर्व को उसी श्रद्धा और भक्ति से मनाते हैं। यह व्रत बडे नियम तथा निष्ठा से किया जाता है। इसमे तीन दिन के कठोर उपवास का विधान है । इस व्रत को करने वाली स्त्रियों को पंचमी को एक बार नमक रहित भोजन करना पडता है। षष्ठी को निर्जल रहकर व्रत करना पडता है । षष्ठी को अस्त होते हुए सूर्य को विधिपूर्वक पूजा करके अर्घ्य देते हैं। सप्तमी के दिन प्रातःकाल नदी या तालाब पर जाकर स्नान करती हैं। सूर्योदय होते ही अर्घ्य देकर जल ग्रहण करके व्रत को खोलती हैं।

कार्तिक मास की शुक्ल पक्ष की षष्ठी तिथि पर भारत वर्ष में छठ पूजा का पर्व बड़ी धूमधाम से मनाया जाता है। इस दिन सूर्योपासना का विशेष महत्व है, लेकिन इसे छठ पूजा के नाम से ही जाना जाता है। ऐसी मान्यता है कि छठी मैया को प्रसन्न करने के लिए महिलाएं छठ गीतों और भजनों के साथ प्रार्थना करती हैं और संतान सुख की प्राप्ति करती हैं। छठ मैया की आराधना करने से श्रद्धालुओं को निरोग रहने का आशीर्वाद भी प्राप्त होता है।

सभी सुखों और सुविधाओं को प्रदान करने वाले सूर्य देव के कारण ही धरती पर जीवन संभव है और संतति प्रदाता और जीवनदाता सूर्य देव को रिझाने के लिए छ्ठ पूजा को मान्यता मिली हुई है।

'देवी भागवत पुराण' में उल्लेखित एक कथा के अनुसार राजा प्रियव्रत को विवाह के कई वर्ष बीतने के बाद भी संतान सुख प्राप्त नहीं हुआ था। संतान प्राप्त करने के लिए उन्होंने सूर्योपासना की। सूर्योपासना से राजा के घर पुत्र का जन्म तो हुआ, लेकिन कुछ देर बाद ही उसकी मृत्यु हो गई। इससे राजा और उनका पूरा परिवार शोकाकुल हो गया। जब राजा अपने नवजात पुत्र को लेकर श्मशान पहुंचे तो अपने ही हाथों से अपने पुत्र की अंतिम क्रिया करने की विवशता के कारण अत्यंत भावुक हो गए और जीवन के प्रति उनका मोहभंग हो गया। दुखी राजा जब अपनी देह त्यागने का विचार कर ही रहे थे, उसी दौरान उनके समक्ष एक देवी प्रकट हुईं। राजा ने देवी की आराधना की और अपने बालक को जीवीत करने की प्रार्थना की। राजा प्रियव्रत की भक्ति और पूजा से प्रसन्न होकर देवी माता ने सूर्य देव की कृपा से राजा के पुत्र को पुनर्जीवित कर दिया। राजा ने कहा कि वे ब्रह्माजी की मानस पुत्री देवसेना हैं और कुमार कार्तिकेय उनके पति हैं। मूल प्रकृति के छठवें अंश से उत्पन्न होने के कारण उन्हें षष्ठी माता के नाम से भी संबोधित किया जाता है। देवी माता ने राजा के पुत्र को जिस तिथि पर पुनर्जीवित किया था वह कार्तिक शुक्ल पक्ष की षष्ठी की तिथि ही थी। देवी मां ने राजा से कहा कि तुम मेरी पूजा करो और अपनी प्रजा से भी मेरी उपासना करने को कहो। इसके बाद राजा प्रियव्रत ने विधिवत और नियमित रूप से माता की पूजा आरंभ कर दी और इस दिन को छ्ठ पर्व के रूप में सभी के साथ मिलकर मनाने लगे। चूंकि, सूर्यदेव की कृपा से माता ने राजा के पुत्र को पुनर्जीवन प्रदान किया, इसलिए इस दिन सूर्य भगवान को अर्घ्य देकर उनकी भी छठी माता के साथ पूजा किए जाने की परंपरा है। एक अन्य कथा के अनुसार शिव-पार्वती के ज्येष्ठ पुत्र कार्तिकेय का जन्म होने के बाद उन्हें असुरों से सुरक्षित रखने के लिए अग्निदेव ने कुमार कार्तिकेय को गंगा की गोद में रख दिया था। गंगा मैया ने कार्तिकेय को सरकंडे के वन में रख दिया। इस वन में छ्ह कृतिकाएं निवास करती थीं। कृतिकाएं कुमार कार्तिकेय को पाकर काफी प्रसन्न हो गई और कार्तिकेय को पुत्र मानकर उसका लालन-पालन करने लगीं। ऐसी मान्यता है कि ये छ्ह कृतिकाएं ही कालांतर में छठी माता के रूप में पुजन लगी। ऐसा कहा जाता है कि जब तक छोटे बच्चे अपने पैरों के अंगूठों को मुंह में नहीं डालते तब तक छठी माता बच्चों के साथ रहती हैं और खेल-खेल में कभी उन्हें हंसाती हैं और कभी रुलाती हैं।

सूर्य षष्ठी व्रत पूजा

सूर्य षष्ठी व्रत भगवान सूर्य की उपासना का पर्व है. इस पर्व का आयोजन कार्तिक माह के आरंभ के साथ ही शुरू हो जाता है इस पर्व के उपलक्ष में भगवान सूर्य की पूजा का विशेष महत्व होता है. सूर्य षष्ठी व्रत में भगवान सूर्य की पूजा उपासना की जाती है इस दिन व्रती अपने सभी कार्यों को पूर्ण कर भगवान आदित्य का पूजन करता है. उन्हें जल द्वरा अर्घ्य दिया जाता है. पूजा की विधी में फल, विभिन्न प्रकार के पकवान एवं मिष्ठान को शामिल किया जाता है इस दिन सूर्य की किरणों को अवश्य ग्रहण करना चाहिए. पूजन तथा अर्घ्य देने के समय सूर्य की किरणें अवश्य देखनी चाहिए.

सूर्य षष्ठी व्रत महत्व

सूर्य षष्ठी पर्व के अवसर पर परिवार के सभी सदस्य स्वच्छता का विशेष ध्यान रखते हैं. सूर्य षष्ठी पर्व के दिन पूजा का सामान तैयार किया जाता है जिसमें सभी प्रकार के फल, केले की पूरी गौर, नारियल, मूली, सुथनी, अखरोट, बादाम इत्यादि को रखा जाता है. इस व्रत का बहुत महत्व रहा है इसे करने से घर में धन धान्य की वृद्धि होती है. तथा परिवार में सुख समृद्धि का आगमन होता है. इस व्रत को करने से चर्म तथा नेत्र रोगों से मुक्ति मिलती है. सूर्योपासना का यह पर्व अत्यंत प्राचीन है। महाभारत काल में माता कुंती ने सूर्योपासना के द्वारा अत्यंत तेजस्वी पुत्र कर्ण की प्राप्ति की थी। इससे भी पूर्व इस व्रत को च्यवन मुनि की पत्नी सुकन्या ने अपने जराजीर्ण पति के लिए किया था। स्कन्द पुराण के अनुसार राजा शर्याति की प्रिय कन्या सुकन्या अपने पिता के साथ सैनिकों सहित वन में गई और वहां अपनी सखियों सहित उपवन में क्रीड़ा करते हुए वहां तपस्यारत च्यवन मुनि के दोनों नेत्रों को फोड़ दिया। जिसके फलस्वरूप राजा शर्याति व उनके सैनिकों पर भारी विपत्ति आई। अस्वस्थ हो सभी मरणासन्न की स्थिति को प्राप्त होने लगे। च्यवन मुनि से क्षमा याचना कर उनका अभिप्राय जानकर राजा ने अपनी पुत्री सुकन्या का विवाह उनसे कर दिया। अंधे, अस्वस्थ अपने पति को प्राप्त कर वह अश्विनी कुमारों का आवाहन कीं और उनकी प्रेरणा से 12 वर्ष तक सूर्य षष्ठी व्रत का पालन कीं। इस व्रत के प्रभाव से च्यवन मुनि को नेत्र ज्योति प्राप्त हुई और वे वृद्धावस्था से युवावस्था को प्राप्त हो गए। मान्यता है कि भगवान राम ने अपने राज्याभिषेक के उपरान्त माता सीता सहित इस व्रत को किया था। यदि कोई इस व्रत को नियमपूर्वक 12 वर्ष तक करता है तो वह सौभाग्यशाली हो जाता है।

माता सीता ने भी रखा था छठ व्रत

दीपावली को पर्वों की माला माना जाता है जो कुल पांच दिन चलता है लेकिन पर्वों का यह माहौल सिर्फ भैयादूज तक ही नहीं थमता बल्कि यह छठ पर्व तक चलता है. छठ पर्व भी सिर्फ एक पर्व नहीं बल्कि महापर्व है जो कुल चार दिन तक चलता है. नहाय खाय से लेकर उगते हुए भगवान भास्कर को अर्घ्य देने तक चलने वाला यह पर्व बिहार और यूपी का एक बेहद अहम पर्व है जो आज पूरे देश में समान हर्षोल्लास के साथ मनाया जाता है. माना जाता है कि छठ पर्व बहुत ही पुराना है. इसका वर्णन रामायण काल से लेकर महाभारत काल तक में होता है. किवदंति के अनुसार ऐतिहासिक नगरी मुंगेर के सीता चरण में कभी मां सीता ने छह दिनों तक रह कर छठ पूजा की थी. पौराणिक कथाओं के अनुसार 14 वर्ष वनवास के बाद जब भगवान राम अयोध्या लौटे थे तो रावण वध के पाप से मुक्त होने के लिए ऋषि-मुनियों के आदेश पर राजसूर्य यज्ञ करने का फैसला लिया. इसके लिए मुग्दल ऋषि को आमंत्रण दिया गया था, लेकिन मुग्दल ऋषि ने भगवान राम एवं सीता को अपने ही आश्रम में आने का आदेश दिया. ऋषि की आज्ञा पर भगवान राम एवं सीता माता स्वयं यहां आए और इसके पूजा-पाठ के बारे में बताया गया. मुग्दल ऋषि ने मां सीता को गंगा छिड़क कर पवित्र किया एवं कार्तिक मास के शुक्ल पक्ष षष्ठी तिथि को सूर्यदेव की उपासना करने का आदेश दिया. यहीं रह कर माता सीता ने छह दिनों तक सूर्यदेव भगवान की पूजा की थी.

छठ पूजा के इतिहास की ओर दृष्टि डालें तो इसका प्रारंभ महाभारत काल में कुंती द्वारा सूर्य की आराधना व पुत्र कर्ण के जन्म के समय से माना जाता है. छठ को महापर्व इसलिए भी कहा जाता है क्योंकि सूर्य ही एकमात्र प्रत्यक्ष देवता हैं और छठ पूजा का वर्णन पुराणों में भी मिलता है. अथर्ववेद में छठ पर्व का उल्लेख है जो इसकी महानता और प्राचीनता को दर्शाता है. यह एकमात्र पर्व है जिसमें उदयमान सूर्य के साथ-साथ अस्ताचलगामी सूर्य को भी अर्घ्य दिया जाता है. यह पर्व हमें यह संदेश देता है कि जीवन में हमें सिर्फ उन्हें ही सम्मान नहीं देना चाहिए जो आगे बढ़ते हैं बल्कि समय आने पर उनका भी साथ देना चाहिए जो हमसे पीछे छूट गए हैं या जिनका महत्व कम हो गया हो. छठ पर्व के पहले दिन को खाए नहाय खाय कहा जाता है यानि लोग उस दिन खा लेते हैं और उसके बाद दो दिन का व्रत रखते हैं जिसमें आखिरी दिन निर्जला व्रत होता है. पर्व के पहले दिन महिलाएं स्नानादि करने के बाद चावल, लौकी और चने की दाल का भोजन करती हैं और देवकरी में पूजा का सारा सामान रख कर दूसरे दिन आने वाले व्रत की तैयारी करती हैं. छठ पर्व पर दूसरे दिन यानि खरना पर पूरे दिन का व्रत रखा जाता है और शाम को गन्ने के रस की बखीर (कुछ जगह लोग गुड़ से खीर बनाते हैं वह भी बखीर ही मानी जाती है) बनाकर देवकरी में पांच जगह कोशा (मिट्टी के बर्तन) में बखीर रखकर उसी से हवन किया जाता है. बाद में प्रसाद के रूप में बखीर भोजन किया जाता है व सगे संबंधियों में इसे बांटा जाता है. इस दिन का प्रसाद यानि खीर और रोटी बेहद स्वादिष्ट और सेहतमंद होता है. षष्ठी यानि के दिन सुबह से ही नदी या तालाबों के घाटों को सजाने-संवारने का काम शुरू हो जाता है. केले के थम्ब, आम के पल्लव, अशोक के पत्ते को मूंज की रस्सी के साथ बांधकर पूरे व्रत स्थल की सजावट करते हैं. व्रत सामग्री में खासकर बांस से बने दऊरा-सुपली, ईख, नारियल, फल-फूल, मूली, पत्ते वाले अदरक, बोरो, सुथनी, केला, आटे से बने ठेकुआ आदि होते हैं जिन्हें एक लकड़ी के डाले में रखा जाता है जिसे लोग दऊरा या ढलिया या बंहगी भी कहते हैं. शाम के अर्घ्य के दिन दोपहर बाद से ही बच्चे, महिलाएं, बुजुर्ग और नौजवान नए वस्त्रों में सुशोभित होकर घाट की ओर प्रस्थान करते हैं. घर के पुरुष सिर पर चढ़ावे वाला दऊरा लेकर आगे-आगे चलते हैं, पीछे-पीछे महिलाएं गीत गाती व्रत स्थल को जाती हैं. वहां पहुंचकर पहले गीली मिट्टी से बनाती हैं. अक्षत-सिंदूर, चंदन, फूल चढ़ाकर वहां एक अर्घ्य रखकर छठी मइया की सांध्य पूजा का शुभारम्भ करती हैं. फिर व्रती नदी में पश्चिम की ओर मुंह करके खड़े होते हैं और भगवान दिवाकर की आराधना करते हैं. वैसे तो लोग इस दिन घाट पर अपनी मर्जी और सामर्थ्य से फल ले जाते हैं लेकिन विधिवत रूप से एक सूप में नारियल कपड़े में लिपटा हुआ नारियल, पांच प्रकार के फल, पूजा का अन्य सामान ही काफी होता है. शाम को पूजा करने के बाद घर वापस आया जाता है और अगली सुबह की तैयारी की जाती है. अगले दिन सुबह-सुबह सूर्य निकलने से पहले ही घाट पर पहुंचा जाता है और भगवान सूर्य के निकलते ही उन्हें अर्घ्य दिया जाता है. इसके बाद वहीं पर प्रसाद ग्रहण कर व्रत को तोड़ा जाता है और भगवान सूर्य को यह व्रत रखने की क्षमता प्रदान करने के लिए धन्यवाद दिया जाता है.

सूर्य आराधना का पर्व

भगवान सूर्यदेव के प्रति भक्तों के अटल आस्था का अनूठा पर्व छठ हिन्दू पंचांग के अनुसार कार्तिक मास के शुक्ल पक्ष के चतुर्थी से सप्तमी तिथि तक मनाया जाता है। मार्कण्डेय पुराण में छठ पर्व के बारे में विस्तारपूर्वक वर्णन किया गया है।

यदि इस पर्व के नाम पर विचार करें तो स्पष्ट होता है कि इस पर्व के तिथिसूचक के अपभ्रंस या देशज रूप को ही इस पर्व की संज्ञा के रूप में अपनाया गया है. जैसे कि इसे मुख्य रूप से इसकी षष्ठी तिथी को होने वाली सूर्यदेव की अर्घ्य के लिए जाना जाता है. इस प्रकार षष्ठी तिथी के विशेष महत्व के कारण उसका अपभ्रंस छठ के रूप में हमारे सामने आता है. यूं तो इस पर्व में देवता के रूप में सूर्यदेव की ही प्रतिष्ठा है, पर तिथी के कारण ये छठ नाम से प्रसिद्ध हो गया है. चार दिन तक चलने वाले इस पर्व में मुख्यतः षष्ठी और सप्तमी के अर्घ्य का ही विशेष महत्व माना जाता है वैसे तो यह पर्व वर्ष में दो बार चैत्र और कार्तिक मास में मनाया जाता है. पर इनमें तुलनात्मक रूप से अधिक प्रसिद्धि कार्तिक मास के छठ की ही है. हिंदू कैलेण्डर के अनुसार कार्तिक मास में दीपावली बीतने के बाद इस चार दिवसीय पर्व का आगाज हो जाता है. कार्तिक शुक्ल चतुर्थी से शुरू होकर ये पर्व कार्तिक शुक्ल सप्तमी को भोर की अर्घ्य देने के साथ समाप्त होता है. इस चार दिवसीय पर्व का आगाज 'नहाय खाय' नामक एक रस्म से होता है. इसके बाद खरना, फिर सांझ की अर्घ्य व अंततः भोर की अर्घ्य के साथ इस पर्व का समापन हो जाता है. यूं तो ये पर्व चार दिवसीय होता है, पर मुख्यतः षष्ठी और सप्तमी के अर्घ्य का ही विशेष महत्व माना जाता है. व्रती व्यक्ति द्वारा पानी में खड़े होकर सूर्य देव को ये अर्घ्य दिए जाते हैं. इसी क्रम में उल्लेखनीय होगा कि संभवतः ये अपने आप में ऐसा पहला पर्व है जिसमे कि डूबते और उगते दोनों ही सूर्यों को अर्घ्य दिया जाता है; उनकी वंदना की जाती है. सांझ-सुबह की इन दोनों अर्घ्यों के पीछे हमारे समाज में एक आस्था काम करती है. वो आस्था ये है कि सूर्यदेव की दो पत्नियां हैं- ऊषा और प्रत्युषा. सूर्य के भोर की किरण ऊषा होती है और सांझ की प्रत्युषा, अतः सांझ-सुबह दोनों समय अर्घ्य देने का उद्देश्य सूर्य की इन दोनों पत्नियों की अर्चना-वंदना होता है. छठ के गीत तो धुन, लय, बोल आदि सभी मायनों में एक अलग और अत्यंत मुग्धकारी वैशिष्ट्य लिए हुए होते हैं. 'कांच ही बांस के बहन्गियां', 'मरबो जे सुगवा धनुष से', 'केलवा के पात पर', 'पटना के घाट पर' आदि इस पर्व के कुछ सुप्रसिद्ध गीत हैं, जिन्हें तमाम गायकों द्वारा गाया भी जा चुका है. आलम यह कि जिसका वास्ता छठ से न हो, वह भी अगर इन गीतों को सुने और समझ सके तो इनके आकर्षण से नहीं बच सकता. केला, सेब, अन्नानस, आदि अनेक फलों के अतिरिक्त गन्ना और घर में बने ठेकुआ आदि चीजें इसके प्रसाद को भी विविधतापूर्ण और विशेष बनाती हैं.

प्रसाद में घर में बने ठेकुआ का विशेष महत्व है

इस पर्व का प्रभाव भारतीय राजनीति में भी व्यापक रूप से देखने को मिलता है. अब यूपी-बिहार तो खैर इस पर्व के गड़ ही हैं, तो वहां तो नेताओं द्वारा इसके लिए घाटों पर साफ-सफाई और सुरक्षा आदि की चाक-चौबंद व्यवस्था की ही जाती है, साथ ही राजधानी दिल्ली, महाराष्ट्र जैसे तमाम राज्यों जहां यूपी-बिहार के लोगों की बड़ी संख्या में मौजूदगी है, में भी सरकारें छठ के पूरी तैयारी करती हैं. बिहार में तो अक्सर मुख्यमंत्री खुद ही सपरिवार छठ घाट पहुंचकर पूजन-अर्घ्य आदि करते हैं. बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री लालू यादव के यहां होने वाला छठ का भारी भरकम आयोजन तो खैर देश भर में ही प्रसिद्ध है. मोटे तौर पर जनसामान्य की मान्यता है कि ये सिर्फ स्त्रियों का पर्व है और काफी हद तक ये मान्यता सही भी है. पर इसके साथ ही ये भी एक सत्य है कि पुरुष के बिना इस पर्व की कई रस्मे अधूरी ही रह जाएंगी. उदाहरणार्थ इस पर्व की एक अत्यंत महत्वपूर्ण रस्म जिसमे कि घर के पुरुष द्वारा पूजन सामग्री का डाल सिर पर उठाकर छठ के घाट तक ले जाया जाता है. पुरुष के होने की स्थिति में ये रस्म पुरुष द्वारा ही किया जाना आवश्यक और उचित माना गया है. लिहाजा इसे सिर्फ स्त्रियों का पर्व कहना किसी लिहाज से सही नहीं लगता.

ये रस्म पुरुष द्वारा ही किया जाना आवश्यक और उचित माना गया है

भारत के अधिकाधिक पर्वो की एक विशेषता ये भी है कि वो किसी न किसी पौराणिक मान्यता से प्रभावित होते हैं. छठ के विषय में भी ऐसा ही है. इसके विषय में पौराणिक मान्यताएं तो ऐसी हैं कि अब से काफी पहले रामायण अथवा महाभारत काल में ही छठ पूजा का आरम्भ हो चुका था. कोई कहता है कि सीता ने तो कोई कहता है कि कुंती या द्रोपदी ने सर्वप्रथम ये छठ व्रत और पूजा की थी. एक मान्यता यह भी है कि सर्वप्रथम महाभारत कालीन सूर्यपुत्र कर्ण ने सूर्य का पूजन किया था, जिसके बाद यह परम्परा चल पड़ी. अब जो भी हो, पर इतना अवश्य है कि अगर आपको भारतीय श्रृंगार, परम्परा, शालीनता, सद्भाव, और आस्था समेत सांस्कृतिक समन्वय की छटा एकसाथ देखनी हो तो अर्घ्य के दिन किसी छठ घाट पर चले जाइए. आप वो देखेंगे जो आपके मन को प्रफुल्लित कर देगा.

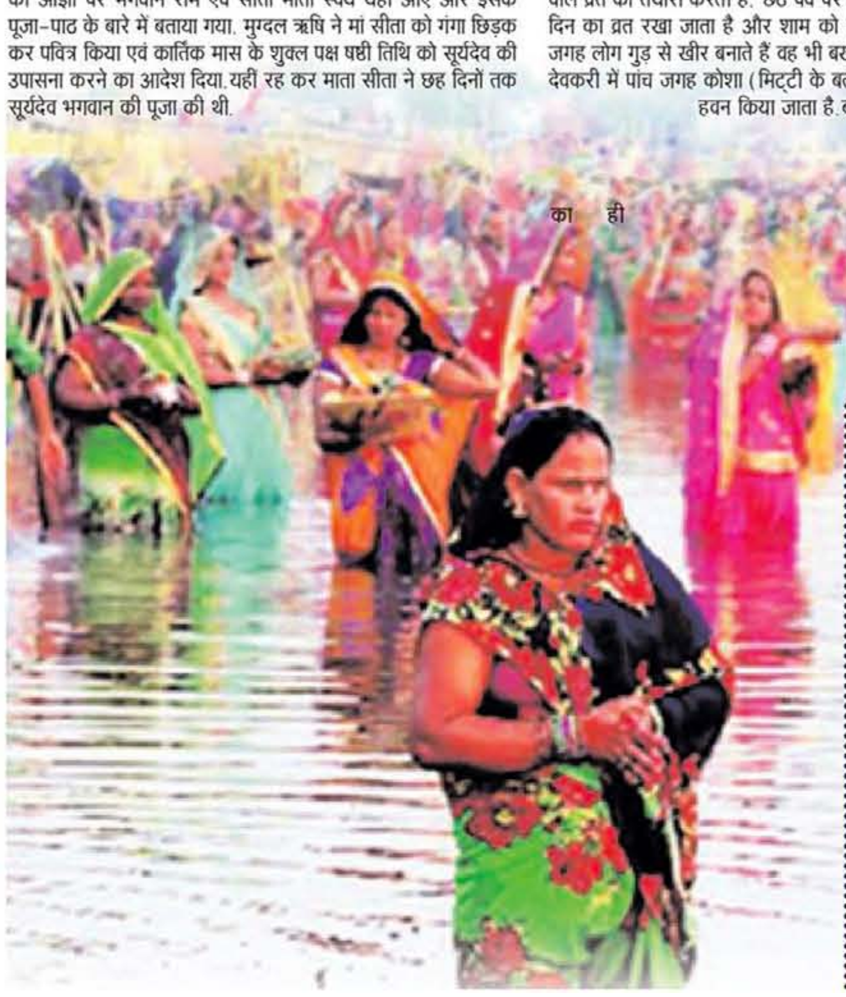

प्रियंका मोहन ने बताया कैसे मिली धनुष निर्देशित तीसरी फिल्म में भूमिका

थनुष साउथ फिल्म इंडस्ट्री के मशहूर और लोकप्रिय अभिनेता हैं, जिन्हें अभिनय के अलावा गायन और निर्देशन के लिए भी जाना जाता है। अपने करियर में बतौर अभिनेता कई शानदार फिल्में देने वाले धनुष, बतौर निर्देशक भी काफी सफल रहे हैं। उनकी हालिया रिलीज फिल्म रायन सिनेमाघरों में काफी सफल रही है। इस फिल्म को उन्होंने ही निर्देशित किया था। अब वह अपने निर्देशन वाली तीसरी फिल्म की तैयारी कर रहे हैं, जिसमें प्रियंका मोहन भी नजर आने वाली हैं। धूम मचा रहा है प्रियंका मोहन का नया गाना वह साउथ की प्रतिभाशाली गायिकाओं में से एक हैं। प्रियंका, धनुष के निर्देशन वाली तीसरी फिल्म नीलावुकु एन मेल एन्राडी कोबाम में नजर आएंगी। इस फिल्म से अभिनेत्री प्रियंका मोहन का पहला सिंगल गोल्डन स्पैरो अब यूट्यूब पर 50 मिलियन से अधिक व्यूज के साथ धूम मचा रहा है। अब अभिनेत्री ने खुलासा करते हुए बताया है कि कैसे उन्हें ये गाना मिला।

कैप्टन मिलर में धनुष संग नजर आ चुकी हैं प्रियंका मोहन

अभिनेत्री इससे पहले धनुष के साथ कैप्टन मिलर में नजर आ चुकी हैं। उन्होंने बताया कि इस फिल्म की शूटिंग के दौरान ही धनुष उनसे अगली फिल्म नीलावुकु एन मेल एन्राडी कोबाम को लेकर बात की थी। अभिनेत्री ने कहा, कैप्टन मिलर की शूटिंग के दौरान धनुष नीलक के बारे में बात कर रहे थे। एक दिन उन्होंने मुझे फोन किया और कहा कि फिल्म में एक खास गाना है। उन्होंने मुझसे पूछा कि क्या मैं इसे करने में दिलचस्पी रखती हूं।

फिल्म की रिलीज के समय जारी होगा खास वीडियो

प्रियंका मोहन ने आगे कहा, मैंने अपनी सहमति देने में थोड़ा समय लिया। मैं पूरे वीडियो में मौजूद हूं। हमने अभी-अभी लिरिकल वीडियो रिलीज किया है, लेकिन इसमें एक हुक स्टेप है। टीम गाने के जरिए युवाओं को पेश करना चाहती थी। अभिनेत्री ने आगे बताया कि गाने से जुड़ा एक और खास वीडियो है, जिसे फिल्म की रिलीज के समय में रिलीज किया जाएगा।

श्रद्धा कपूर का 'पुष्पा 2' में आइटम नंबर से इनकार श्री लीला को मिला मौका

दिवाली का शोर जब थमना शुरू होगा तो साउथ सिनेमा में एक नया शोर शुरू होने का समय आ जाएगा। दिसंबर महीने में रिलीज होने जा रही अभिनेता अल्लू अर्जुन की फिल्म 'पुष्पा 2' का आइटम गाना फिल्माने का वक्त जो आ गया है। इस आइटम सॉन्ग के लिए संगीतकार देवी श्री प्रसाद उर्फ डीएसपी ने एक बहुत ही शानदार लेकिन महिलाओं के सम्मान वाला गाना तैयार किया है। फिल्म के निर्देशक सुकुमार ने इसके लिए खास तैयारियां की है और पता चला है कि ये गाना श्रद्धा कपूर की बजाय उस अभिनेत्री पर फिल्माया जाएगा, जिसके चर्चे इन दिनों साउथ सिनेमा से लेकर बॉलीवुड तक खूब हो रहे हैं। और, जिसके नाम का खुलासा 'अमर उजाला' ने बीते साल ही अपनी खास खबर में कर दिया था। साउथ सिनेमा से इस साल तमाम सितारों ने हिंदी पट्टी में किस्मत आजमाई। प्रभास ने फिल्म 'कल्कि 2898 एडी' में कर्ण का पुनर्जन्म लेकर बॉक्स ऑफिस पर डंका बजाया तो उससे पहले अनजान से सितारे तेजा सज्जा ने हनुमंतू का किरदार निभाकर फिल्म 'हनुमान' में दर्शकों का दिल जीत लिया। लेकिन, 'देवरा पार्ट वन' में जूनियर एनटीआर का जादू फुस्स रहा और 'वेट्टैयन' में रजनीकांत तो अमिताभ बच्चन, फहद फासिल और राणा दग्गुबाती का साथ पाकर भी शिकार नहीं कर सके। अब बारी 'पुष्पा 2' की है। फिल्म 'पुष्पा 2' की मुख्य शूटिंग पूरी हो चुकी है और फिल्म के निर्देशक सुकुमार दिन रात इसके पोस्ट प्रोडक्शन में लगे हुए हैं। फिल्म में अंतरराष्ट्रीय स्तर के स्पेशल इफेक्ट्स शामिल किए जा रहे हैं। लेकिन, एक चीज जो अभी इसमें शामिल होनी रह गई है, वह है फिल्म का आइटम नंबर। पहले खबरें थी कि फिल्म 'स्त्री 2' से हिंदी सिनेमा की हीरोइन नंबर वन बनी श्रद्धा कपूर फिल्म 'पुष्पा 2' में एक तड़कता भड़कता डांस नंबर करने जा रही हैं। लेकिन, श्रद्धा कपूर ने इसके लिए मना कर दिया। इसके बाद दिशा पाटनी का नाम भी चर्चा में आया लेकिन उनके नाम पर अल्लू अर्जुन ने रिजेक्ट का ठप्पा लगा दिया है। अब सूत्र बता रहे हैं कि फिल्म 'पुष्पा 2' के तड़कते भड़कते आइटम नंबर के लिए अभिनेत्री श्रीलीला का नाम फाइनल किया गया है। साउथ सिनेमा में श्री लीला का रुतबा एकदम से बहुत तेजी से बढ़ा है। अमेरिका की रहने वाली श्री लीला की एक फिल्म 'उस्ताद भगत सिंह' पवन कल्याण के साथ निर्माणाधीन है। इसके अलावा वह एक फिल्म 'रॉबिनहुड' भी कर रही हैं। वरुण धवन के साथ उनका हिंदी सिनेमा में भी डेब्यू होने वाला था, लेकिन उनकी सीरीज 'सिटाडेल हनी बनी' की जिस तरह की रिपोर्ट्स सामने आ रही हैं, उसके चलते श्रीलीला ने वरुण धवन की फिल्म में काम करने से मना कर दिया है। श्रीलीला पर जो गाना फिल्माया जाने वाला है, उसे फिल्म के संगीतकार देवी श्री प्रसाद उर्फ डीएसपी गाना तैयार कर चुके हैं। इसे लिखा है चंद्रबोस ने और इसकी थीम महिलाओं के आत्म सम्मान की रखी गई है। फिल्म 'पुष्पा 2' के इस गाने की शूटिंग हैदराबाद में मंगलवार से शुरू होने जा रही है। इस गाने के कोरियोग्राफर के रूप में गणेश आचार्य का नाम फाइनल किया गया है।

पत्रकार के इस सवाल पर भड़के राजपाल यादव

राजपाल यादव वर्तमान में कार्तिक आर्यन और विद्या बालन की लेटेस्ट रिलीज हुई फिल्म भूल भुलैया 3 में नजर आ रहे हैं। अभिनेता अपनी कॉमिक टाइमिंग के लिए जाने जाते हैं। हालांकि, हमेशा हंसते-खेलते रहने वाले राजपाल का एक हैरान करने वाला वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। इसमें अभिनेता उत्तर प्रदेश के लखीमपुर खीरी जिले के पलिया कस्बे में एक पत्रकार पर अपना आपा खोते और उनका फोन छीनते नजर आ रहे हैं। वीडियो में एक पत्रकार को राजपाल से उनकी आने वाली फिल्म के बारे में सवाल पूछते देखा जा सकता है। राजपाल ने जवाब देते हुए कहा, डेढ़ महीने में एक फिल्म देखने मिलेगी। इसके अलावा, रिपोर्टर ने राजपाल से दिवाली से पहले पटाखे न जलाने के उनके हालिया बयान के बारे में पूछा, जिसने काफी चर्चा बटोरी। इस सवाल ने भूल भुलैया अभिनेता को इतना नाराज कर दिया कि गुस्से में आकर उन्होंने रिपोर्टर का फोन छीनने और उसे फेंकने की भी कोशिश की। जानकारी हो कि राजपाल यादव ने अपने इंस्टाग्राम हैंडल पर एक वीडियो साझा कर सभी से दिवाली पर पटाखे फोड़ने से बचने का अनुरोध किया था। हालांकि, राजपाल के इस आग्रह से लोग गुस्सा हो गए और अभिनेता को बहुत अधिक नकारात्मक प्रतिक्रिया मिली। जिसके चलते बाद में उन्होंने माफी मांगते हुए एक वीडियो पोस्ट किया और कहा कि उनका त्योहार की खुशी को कम करने का कोई इरादा नहीं था।

शूटिंग के आखिरी चरण पर पहुंची धनुष-रश्मिका की कुबेर

साउथ सुपरस्टार धनुष और अभिनेत्री रश्मिका मंदाना इन दिनों कुबेर को लेकर चर्चा में बने हुए हैं। फिल्म का दर्शकों को बेसब्री से इंतजार है। शेखर कम्मुला द्वारा निर्देशित कुबेर धनुष और सुपरस्टार नागार्जुन के बीच पहला सहयोग है। फिल्म में रश्मिका मंदाना मुख्य नायिका की भूमिका में हैं। वहीं अब फिल्म को लेकर नई जानकारी सामने आई है, जो इसकी शूटिंग को लेकर है।

2025 में रिलीज होगी फिल्म

हाल ही में आई रिपोर्ट्स से पुष्टि हुई है कि फिल्म का टॉकी हिस्सा पूरा हो चुका है, अब केवल दो गाने ही फिल्माए जाने बाकी हैं। फिल्म की शूटिंग दिसंबर में फिर से शुरू होने वाली है। इसके साथ ही बताया गया है कि निर्माताओं का लक्ष्य 2025 की पहली तिमाही में फिल्म को रिलीज करना है। दूसरी ओर धनुष के प्रशंसक तब निराश हुए, जब दिवाली की शुभकामनाओं वाला कोई पोस्टर जारी नहीं किया गया, जिससे फिल्म के प्रचार की योजनाओं पर सवाल उठने लगे। हालांकि, चर्चा है कि टीम जल्द ही एक सुव्यवस्थित प्रचार अभियान शुरू करेगी। इस पहले खबर आई थी कि दिवाली पर फिल्म की रिलीज की तारीख से पर्दा उठाया जा सकता है, लेकिन ऐसा नहीं हुआ।

फिल्म में धनुष के किरदार की बात करें तो कुबेर में धनुष एक ऐसे किरदार को निभा रहे हैं, जो एक बेघर व्यक्ति के रूप में शुरू होता है, लेकिन अंततः एक शक्तिशाली माफिया सरगना बन जाता है। रश्मिका और धनुष के साथ फिल्म में अक्किनेनी नागार्जुन, संदीप किशन, जिम सर्भ और अन्य भी महत्वपूर्ण भूमिकाओं में हैं।

अभिनेत्री दीया मिर्जा का छलका दर्द, बताया किस वजह से नहीं कर सकीं ज्यादा फिल्में

दीया मिर्जा हिंदी फिल्मों की जानी-पहचानी अभिनेत्री हैं। उन्होंने अपने करियर में कई अच्छी फिल्में की हैं, जिसकी वजह से उन्होंने काफी लोकप्रिता भी हासिल की है। हालांकि, फिल्मी दुनिया में उनका करियर बहुत लंबा और चर्चित नहीं हो सका। अभिनेत्री के मुताबिक इसके पीछे कि जो वजह है, वो काफी दुर्भाग्यिपूर्ण है। अभिनेत्री ने कहा कि उनके ऊपर बहुत ज्यादा ग्लैमरस होने का ठप्पा लग गया, जिसकी वजह से उन्हें चुनौतीपूर्ण भूमिकाएं नहीं मिलीं।

साल 2001 में किया था डेब्यू

दीया ने साल 2001 में हिंदी फिल्म रहना है तेरे दिल में किया था, जिससे उन्होंने अपने हिंदी फिल्म करियर की शुरुआत की थी। ये फिल्म तमिल हिट मिन्नाले की रीमेक थी। इस फिल्म में उनके साथ आर. माधवन और रीमा सेन भी नजर आए थे। माधवन और दीया के बीच की ऑन-स्क्रीन केमिस्ट्री ने दर्शकों को काफी ज्यादा आकर्षित किया था। इस वजह से फिल्म काफी सफल भी हुई थी। हालांकि इस फिल्म के बाद से उनके ऊपर ग्लैमरस का ठप्पा लग गया। इसके बाद उन्हें अलग तरह की भूमिकाएं मिलनी कम हो गई।

निर्देशकों ने मुझे लेकर बनाई एक खास राय

हाल में ही एक इंटरव्यू के दौरान अपनी निराशा व्यक्त करते हुए अभिनेत्र ने कहा, चूंकि निर्देशकों ने मुझे एक मुख्यधारा की अभिनेत्री के रूप में देखा, इसलिए मुझे एक अच्छी कहानी वाली फिल्म में अभिनय करने का मौका नहीं मिला, जो मैं चाहती थी। मैं अपने दिखने के तरीके के कारण कुछ फिल्मों से खारिज कर दी जाती थी। अभिनेत्री ने आगे कहा कि अपने समर्पण और कौशल के बावजूद, निर्देशकों की इस धारणा की वजह से वह अपनी इच्छित फिल्मों में काम नहीं कर सकीं और अपनी क्षमता को पूरी तरह से साबित नहीं कर पाईं। बता दें कि दीया का जन्म एक जर्मन पिता और एक बंगाली मां से हुआ था। इस वजह से उनकी पहचान में सांस्कृतिक प्रभावों का मिश्रण भी जुड़ गया। उनके शुरुआती पारिवारिक जीवन में कई तरह की जटिलताएं थीं, क्योंकि जब वह छोटी थीं, तभी उनके माता-पिता का तलाक हो गया था। इसके बाद उनकी मां ने हैदराबादी मुस्लिम अहमद मिर्जा से शादी कर ली, जिनका अंतिम नाम दीया ने अपना लिया।

2000 में बनी थीं मिस एशिया पैसिफिक इंटरनेशनल

बताते चलें कि अपनी खूबसूरती के लिए जाने जाने वालीं दीया ने साल 2000 में मिस एशिया पैसिफिक इंटरनेशनल का खिताब जीता था। इसके बाद वह फिल्मों की दुनिया में सक्रिय हो गईं। उन्होंने रहना है तेरे दिल में से हिंदी फिल्मों में शुरुआत करने के बाद कई अन्य फिल्मों में काम किया। इनमें दस, तुमसा नहीं देखा, लगे रहो मुन्ना भाई, हनीमून ट्रैवल्स प्राइवेट लिमिटेड और संजू जैसी फिल्में शामिल हैं।

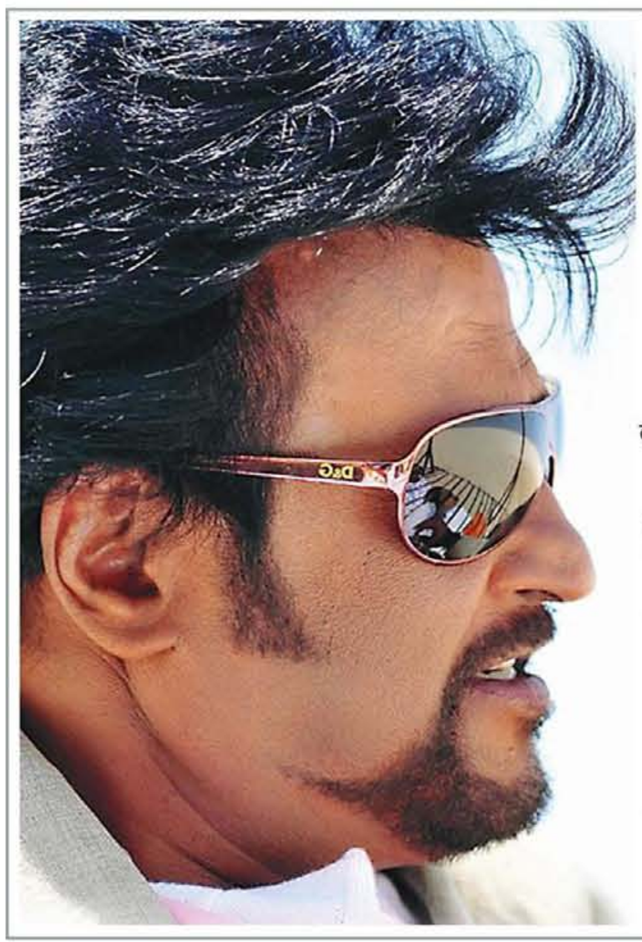

अमरन की टीम से मिले रजनीकांत, शिवकार्तिकेयन और फिल्म की कलाकारों को दी बधाई

सिनेमा के दिग्गज अभिनेता रजनीकांत ने हाल ही में अपने करीबी मित्र और अभिनेता कमल हासन द्वारा निर्मित नई फिल्म अमरन की टीम से मुलाकात की। इस मीटिंग में फिल्म के मुख्य अभिनेता शिवकार्तिकेयन, निर्देशक राजकुमार पेरियासामी, छायाकार सीएच साई और निर्माता आर महेंद्रन ने भाग लिया, जिसमें रजनीकांत ने फिल्म और इसके निर्माताओं के प्रति अपना समर्थन जताया।

रजनीकांत ने किया फिल्म के टीम का अभिवादन

राज कमल इंटरनेशनल फिल्म्स के आधिकारिक एक्स अकाउंट पर शेयर की गई एक सोशल मीडिया पोस्ट में चार तस्वीरों में इस यादगार सभा को कैद किया गया, जिसमें दिग्गज अभिनेता फिल्म के कलाकारों और क्रू के साथ गर्मजोशी से बातचीत करते हुए दिखाई दे रहे हैं। पोस्ट के साथ कैप्शन में लिखा गया, रजनीकांत ने अपने दोस्त कमल हासन की प्रोडक्शन वेंचर अमरन देखी, जिसका निर्देशन राजकुमार पेरियासामी ने किया है और इसमें शिवकार्तिकेयन ने अभिनय किया है।

कमल हासन को रजनीकांत ने दी बधाई

मीटिंग से एक दिन पहले रजनीकांत ने कमल हासन से फोन पर बात की थी और फिल्म निर्माण के लिए उन्हें व्यक्तिगत रूप से बधाई दी थी। शिवकार्तिकेयन और साई पल्लवी की यह फिल्म इस समय बॉक्स ऑफिस पर अच्छी कमाई कर रही है। मेजर मुकुंद वरदराजन की बायोपिक यह फिल्म शिवकार्तिकेयन की पहली फिल्म की सबसे बड़ी ओपनिंग नंबर है। दूसरे दिन भी तमिल फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर अच्छा प्रदर्शन जारी रखा, जबकि दो बड़े बजट की बॉलीवुड फिल्में रिलीज हुई थीं।

फिल्म की कमाई

फिल्म ने दूसरे दिन घरेलू बॉक्स ऑफिस पर 19.25 करोड़ रुपये कमाए। अपने पहले दिन, फिल्म ने 21.40 करोड़ रुपये कमाए। फिल्म का कुल कलेक्शन अब 40.65 करोड़ रुपये हो गया है। राजकुमार पेरियासामी द्वारा निर्देशित अमरन इस साल की सबसे बड़ी तमिल रिलीज में से एक है।

अब 'जय हनुमान' में ऋषभ शेट्टी दिखाएंगे जलवा

प्रशांत वर्मा की फिल्म 'जय हनुमान' का पहला पोस्टर सामने आ चुका है। इस फिल्म में ऋषभ शेट्टी हनुमान की भूमिका में नजर आ रहे हैं। प्रशांत वर्मा ने अपनी आगामी फिल्म 'जय हनुमान' का पहला पोस्टर साझा किया। इस फिल्म में दक्षिण भारतीय अभिनेता, निर्देशक और निर्माता ऋषभ शेट्टी हनुमान की भूमिका में नजर आ रहे हैं। आइए बहुमुखी प्रतिभा के धनी ऋषभ शेट्टी के बारे में जानते हैं। ऋषभ ने फिल्म जगत में क्लैप बॉय, स्पॉट बॉय, सहायक निर्देशक और अन्य तरह के काम किए। इन संघर्षों के बाद अभिनेता को वर्ष 2012 में आई फिल्म 'तुगलक' से प्रमुख भूमिका मिली। इसके बाद उन्होंने कई फिल्मों में काम किया। वर्ष 2016 में उनके निर्देशन में बनी फिल्म 'रिकी' ने बॉक्स ऑफिस पर औसत प्रदर्शन किया। इसके बाद उन्होंने रोमांटिक ड्रामा फिल्म 'किरक पार्टी' का निर्देशन किया, जो हिट रही। शेट्टी ने 'सरकारी हाय' का निर्देशन किया इस फिल्म ने समीक्षकों की सराहना प्राप्त की और सर्वश्रेष्ठ बच्चों की फिल्म का राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार जीता।

जेवर एयरपोर्ट के पास इंटरचेंज रोड का काम समय पर पूरा करें : डीएम

नोएडा (चेतना मंच)। गौतमबुद्धनगर के जिलाधिकारी मनीष कुमार वर्मा ने दयानतपुर में नेशनल हाईवे अथॉरिटी ऑफ इंडिया के द्वारा जेवर एयरपोर्ट के पास बनाए जा रहे इंटरचेंज रोड़ कार्य का स्थलीय निरीक्षण किया। इस दौरान उप जिलाधिकारी जेवर अभय कुमार सिंह द्वारा दयानंदपुर में बनाई जा रहे इंटरचेंज रोड कार्यो कि वर्तमान तक की प्रगति से जिलाधिकारी को अवगत कराया गया।

जिलाधिकारी ने इंटरचेंज निर्माण के लिए किये जा रहे कार्यों का बहुत ही गहनता के साथ निरीक्षण करते हुए कार्यों की समीक्षा की और संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश प्रदान करते हुए कहा कि जेवर एयरपोर्ट भारत एवं उत्तर प्रदेश सरकार का ड्रीम प्रोजेक्ट है, इसलिए इसके किसी भी कार्यों में शिथिलता न बरती जाए।

उन्होंने कहा कि इंटरचेंज निर्माण के सभी कार्यों को निर्धारित समय अवधि के भीतर गुणवत्ता के साथ पूर्ण करने की कार्रवाई सुनिश्चित करें, ताकि शासन की मंशा को मूर्त रूप प्रदान किया जा सके। साथ ही जिलाधिकारी ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि दयानतपुर एयरपोर्ट बाउंड्री से लेकर यमुना एक्सप्रेसवे के इंटरचेंज तक के कार्यों में और अधिक तेजी लाई जाए, ताकि कार्य को समय में पूर्ण किया जा सके। जिलाधिकारी के निरीक्षण के दौरान उप जिलाधिकारी जेवर अभय कुमार सिंह तथा अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

अपराध को चुपचाप न सहें महिलाएं : पुलिस कमिश्नर

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। कमिश्नरेट गौतमबुद्धनगर में महिलाओं एवं बालिकाओं को त्वरित पुलिस सहायता उपलब्ध कराने के उद्देश्य से पुलिस कमिश्नर गौतमबुद्धनगर श्रीमती लक्ष्मी सिंह ने थाना नॉलेज पार्क क्षेत्र के अंतर्गत लॉयड तिराहा पर पुलिस पिंक बूथ का उद्घाटन किया।

पुलिस कमिश्नर गौतमबुद्धनगर श्रीमती लक्ष्मी सिंह ने थाना नॉलेज पार्क क्षेत्रांतर्गत लॉयड तिराहा पर पुलिस पिंक बूथ के उद्घाटन अवसर पर उपस्थित महिलाओं/छात्राओं को सम्बोधित किया तथा उन्हे निरंतर आगे बढने के लिए प्रेरित किया। उनके द्वारा सभी छात्राओं को बताया गया कि वह किसी भी अपराध को चुपचाप सहन न करने और किसी भी परिस्थिति में वह पिंक बूथ पर तुरन्त पुलिस सहायता प्राप्त कर सकती है। इन बूथ पर महिला पुलिसकर्मी ही तैनात होगीं जिससे शिकायत लेकर आने वाली महिलाओं/छात्राओं को अपनी परेशानी बताने में किसी प्रकार की हिचक महसूस ना हो।

उन्होंने बताया कि मिशन शक्ति 5.0 के अंतर्गत महिला पुलिसकर्मियों द्वारा प्रतिदिन सभी थाना क्षेत्रों में भ्रमणशील रहते हुए विभिन्न सोसाइटियों, स्कूलों, कम्पनीयों, मैट्रो स्टेशन, बस स्टैण्ड व भीड़भाड़ वाले स्थानों पर जाकर रहते हुए महिलाओं को आत्मसुरक्षा व साइबर सुरक्षा के बारे में जागरूक किया जाता है। महिला सशक्तिकरण अभियान, महिलाओं के प्रति होने वाले अपराधों के संबंध में जानकारी प्रदान करने के साथ-साथ सुरक्षा सम्मान एवं स्वावलंबन के सम्बन्ध में शासन द्वारा चलाए जा रहे विभिन्न प्रकार के कार्यक्रम जैसे मिशन शक्ति फेस-5.0, शुभ मंगल योजना, साइबर क्राइम एवं साइबर सुरक्षा की जानकारी प्रदान की जाती है। महिलाओं/छात्राओं को महिला हेल्पलाइन नंबर-1090, आपातकालीन सेवा-112, चाइल्ड हेल्पलाइन नंबर-1098, वन स्टॉप सेंटर नंबर-181, मुख्यमंत्री हेल्पलाइन नंबर-1076 व साइबर हेल्पलाइन नंबर-1930 के बारे में प्रतिदिन जानकारी प्रदान की जाती है।

कार्यक्रम के दौरान अपर पुलिस आयुक्त मुख्यालय बबलू कुमार, अपर पुलिस आयुक्त कानून/व्यवस्था शिव हरी मीना, डीसीपी महिला सुरक्षा श्रीमती सुनिति, डीसीपी ग्रेटर नोएडा साद मियां खान, एडीसीपी ग्रेटर नोएडा अशोक कुमार, एसीपी प्रथम ग्रेटर नोएडा पवन कुमार, लॉयड इंस्टीट्यूट, एमिटी यूनिवर्सिटी, GNIOT, GN GROUP के पदाधिकारीगण व अन्य पुलिस अधिकारीगण उपस्थित रहे।

न्यू नोएडा के लिए जल्द शुरू होगा भूमि अधिग्रहण

नोएडा (चेतना मंच)। दिल्ली एनसीआर क्षेत्र को एक नया शहर मिलने जा रहा है इसकी इसकी परिकल्पना DNGIR (दादरी नोएडा गाजियाबाद इन्वेस्टमेंट रीजन) के रूप में की गई है और इसका नाम न्यू नोएडा रखा गया है। उत्तर प्रदेश सरकार के इस अत्यंत महत्वकांक्षी प्रोजेक्ट को धरातल पर उतरने की कवायत शुरू हो गई है। न्यू नोएडा को बसाने के लिए गौतमबुद्धनगर और बुलंदशहर के 80 गांवों की भूमि का अधिग्रहण किया जाएगा।

नोएडा प्राधिकरण के सीईओ लोकेश एम की अध्यक्षता में हुई DNGIR की बैठक में न्यू नोएडा के लिए भूमि अधिग्रहण की कार्रवाई शुरू करने के निर्देश दिए गए। न्यू नोएडा के नाम का यह शहर चार चरणों में बनेगा, कुल भूमि मास्टर प्लान में 40 प्रतिशत भूमि उद्योगों के लिए, 13 प्रतिशत आवासीय परियोजनाओं के लिए, और 18 प्रतिशत हरित और मनोरंजक क्षेत्रों के लिए निर्धारित की गई है। लगभग 600,000 की अनुमानित आबादी के साथ, न्यू नोएडा में क्रमश: 4 प्रतिशत और 8 प्रतिशत क्षेत्र को कवर करने वाले कमर्शियल और इंस्टीट्यूशनल क्षेत्र होंगे।

सीईए एम लोकेश एम की अध्यक्षता हुई बैठक में बताया गया कि डीएनडीआइआर का मास्टर प्लान 2041 को 29 अगस्त 2017 को अधिसूचित किया गया था। 18 अक्टूबर 2024 को उप्र सरकार ने कैबिनेट में इसे मंजूरी दी थी। न्यू के नाम से बनाय जा रहा येशहर चार चरणों में बनेगा. पहला चरण 2027 तक 3,165 हेक्टेयर में फैला होगा। 2027 से 2032 के बीच 3,798 हेक्टेयर और विकसित किया जाएगा, इसके बाद 2037 तक 5,908 हेक्टेयर और 2041 तक 8,230 हेक्टेयर विकसित किया जाएगा।

DNGIR के मास्टर प्लान में गौतमबुद्धनगर एवं गाजियाबाद जिलों के कुल 80 गांव हैं। प्राधिकरण ने प्रस्तावित नए नोएडा का विकास की योजना को जमीन पर उतारने की रूपरेखा तैयार की। इस क्रम में अवगत कराया गया कि 18 अक्टूबर से क्षेत्र के सैटेलाइट फोटो क्रय करने की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। DNGIR के मास्टर प्लान के तहत एरियल फोटो कराने का प्लान भी तैयार कर लिया गया है। इस क्षेत्र में अब किसी भी प्रकार का निर्माण अब मान्य नहीं होगा। यदि कोई निर्माण करता हो तो उसके खिलाफ वैधानिक कारवाई की जाएगी। इस प्रोजेक्ट के लिए ईस्टर्न पैरीफेरल एक्सप्रेसवे पर कार्यालय स्थापित किया जाएगा।।

दनकौर में किसानों को नहीं मिल रहा खाद व बीज

सीएम पोर्टल पर करप्शन फ्री इंडिया संगठन ने की शिकायत

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। दनकौर क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले गांवो में किसानों को बुवाई के समय खाद व बीज ना मिलने की शिकायत करप्शन फ्री इंडिया संगठन के प्रदेश महासचिव मास्टर दिनेश नागर ने मुख्यमंत्री पोर्टल पर की है।

मास्टर दिनेश नागर ने बताया कि इस समय किसानों के लिए बहुत बड़ी समस्या आ खड़ी हुई है। जिला कृषि अधिकारी या अन्य अधिकारी फोन नही उठा रहे है। दनकौर व बिलासपुर सहित अन्य गोदामों पर डीएपी खाद व बीज की आपूर्ति समय से नही हो पा रही है जो डीएपी आ रही है उसे अधिकारी व सचिव अपने रिश्तेदारों में चुपके से वितरित कर देते है। दिनेश नागर ने बताया कि किसी भी किसान को 2 कट्टे डीएपी से ज्यादा का आश्वासन नहीं दिया जा रहा है चाहे उस किसान पर कितनी ही एकड़ ज़मीन हो। यही सबसे बड़ी समस्या किसानों के लिए सरदर्द बन गई है। दिनेश नागर ने कहा की मुख्यमंत्री पोर्टल पर शिकायत करके जल्द से जल्द किसानों की समस्याओं का समाधान करने की मांग करप्शन फ्री इंडिया संगठन ने की है। उन्होंने कहा कि यदि जल्द ही किसानों की समस्याओं का समाधान नहीं किया गया तो संगठन आंदोलन करेगा।

जनता की शिकायतें सुन डीएम बोले, मौके पर जाएं अधिकारी

नोएडा (चेतना मंच)। जनपद की तीनों तहसीलों में तहसील संपूर्ण समाधान दिवस का आयोजन किया गया। तीनों तहसीलों में कुल 55 शिकायतें दर्ज हुई, जिनमें से 3 शिकायतों का निराकरण विभागीय अधिकारियों के द्वारा मौके पर ही किया गया।

जिलाधिकारी मनीष कुमार वर्मा द्वारा तहसील जेवर में संपूर्ण समाधान दिवस की अध्यक्षता की गई। आयोजित तहसील संपूर्ण समाधान दिवस की अध्यक्षता करते हुए जिला अधिकारी द्वारा जन सामान्य की शिकायतों का अनुश्रवण किया गया एवं जन सामान्य के द्वारा कुल 16 शिकायतें विभिन्न विभागों से संबंधित दर्ज कराई गई। 1 शिकायत का निराकरण मौके पर ही किया गया।

इस अवसर पर जिला अधिकारी मनीष कुमार वर्मा ने समस्त जिला स्तरीय अधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा कि जनता की शिकायतों एवं समस्याओं के निराकरण को लेकर उत्तर प्रदेश सरकार एवं शासन गंभीर है। उन्होंने सभी अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश देते हुए कहा कि तहसील संपूर्ण समाधान दिवस में जिन विभागों से संबंधित जनता की शिकायतें दर्ज हो रही हैं। सभी संबंधित अधिकारीगण गंभीरता के साथ तत्काल कार्यवाही सुनिश्चित करें और मौके पर जाकर संबंधी शिकायतों का निराकरण सुनिश्चित कराएं ताकि संबंधित पोर्टल पर शिकायतों को ऑनलाइन किया जा सके। इस अवसर पर उप जिलाधिकारी जेवर अभय कुमार सिंह, तहसीलदार जेवर विवेक भदोरिया, नायब तहसीलदार जेवर एवं अन्य जिला स्तरीय अधिकारीगण उपस्थित रहे।

इसी प्रकार दादरी तहसील में उप जिलाधिकारी दादरी अनुज नेहरा की अध्यक्षता में तहसील संपूर्ण समाधान दिवस का आयोजन हुआ, यहां पर जनता के द्वारा कुल 35 शिकायतें विभिन्न विभागों से संबंधित दर्ज कराई गई, जिसके सापेक्ष 02 शिकायतों का निस्तारण अधिकारियों के माध्यम से मौके पर सुनिश्चित कराया गया। सदर तहसील में अपर जिला अधिकारी प्रशासन मंगलेश दुबे की अध्यक्षता में तहसील संपूर्ण समाधान दिवस का आयोजन संपन्न हुआ, जहां पर कुल 04 शिकायतें जनता के द्वारा दर्ज कराई गई।

उप्र में 'आप' बनायेगी 50 लाख नए सदस्य

नोएडा (चेतना मंच)। आम आदमी पार्टी ने गौतमबुद्धनगर जिले में एक विशाल सदस्यता अभियान की शुरुआत की है। जिसका नेतृत्व पार्टी के जिलाध्यक्ष राकेश अवाना ने किया। यह अभियान उत्तर प्रदेश प्रभारी और राज्यसभा सांसद संजय सिंह के मार्गदर्शन में और पश्चिम प्रांत अध्यक्ष सोमिन्द्र ढाका के निर्देशन में चलाया जा रहा है।

इस अभियान का उद्देश्य पार्टी के विचारों को व्यापक जनसमूह तक पहुंचाना और उत्तर प्रदेश की राजनीति में आम लोगों की अधिकतम भागीदारी सुनिश्चित करना है। जिलाध्यक्ष राकेश अवाना के नेतृत्व में पार्टी का लक्ष्य गौतमबुद्धनगर में हर महीने 5000 नए सदस्य जोड़ना है, जबकि पूरे उत्तर प्रदेश में 50 लाख नए सदस्यों को पार्टी से जोड़ने का संकल्प है।

पार्टी ने शुरू किया सदस्यता अभियान

सदस्यता अभियान की शुरुआत के साथ ही स्थानीय नागरिकों में जबरदस्त उत्साह देखा गया। गाँव मोरना सेक्टर-35, नोएडा में आयोजित इस कार्यक्रम में भारी भीड़ उमड़ी।

सदस्यता अभियान के साथ-साथ जिलाध्यक्ष ने यह भी घोषणा की कि आम आदमी पार्टी हर महीने स्थानीय मुद्दों पर योगी सरकार की जनविरोधी नीतियों और भ्रष्टाचार के खिलाफ आंदोलन करेगी।

जिलाध्यक्ष राकेश अवाना ने इस अवसर पर कहा कि हमारा उद्देश्य सिर्फ लोगों को पार्टी में जोड़ना नहीं है, बल्कि उत्तर प्रदेश की राजनीति में एक नए युग की शुरुआत करना है।

इस अवसर पर यूथ विंग प्रदेश अध्यक्ष पंकज अवाना, जिला महासचिव कैलाश शर्मा, जिला संगठन मंत्री प्रशांत रावत, नोएडा विधानसभा अध्यक्ष नितिन प्रजापति, जिला सचिव विजय श्रीवास्तव, जिला कार्यकारिणी सदस्य सतीश गौतम आदि कार्यकर्ता मौजूद रहे।